दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 अंक : 124 संभल, गुरूवार 16 अप्रैल 2026 पृष्ठ : 12 मूल्य: 05/-रू.

आवश्यकता है
मेरठ, हापुड़, बरेली, गाज़ियाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ आदि शहरो में जनपद स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक स्तर पर पत्रकारों की आवश्कयकता है।
सम्पर्क सूत्र
मोब.- 8630704122

पेज :- 03- खनन माफिया पर वार, सिस्टम पर प्रहार—अमरोहा...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

बिहार में 'सम्राट' युग का आगाज

सम्राट चौधरी ने बिहार के नये मुख्यमंत्री के रूप में ली शपथ

सीएम चौधरी और उनकी टीम को पीएम मोदी ने दी बधाई



बिहार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने वाले सम्राट चौधरी को बधाई दी है। उन्होंने नीतीश कुमार का स्थान लिया है। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में विश्वास व्यक्त किया कि चौधरी की ऊर्जा, जनसेवा के प्रति समर्पण और जमीनी अनुभव राज्य के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगे और उनके नेतृत्व में बिहार सर्वांगीण विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को बिहार के उपमुख्यमंत्री नियुक्त होने पर शुभकामनाएं दीं। एक अलग पोस्ट में उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जमीनी स्तर पर उनका अनुभव और जन कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता बिहार के विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगी। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सुशासन, पारदर्शिता और जन कल्याण के नए मानक स्थापित करेगा। सम्राट चौधरी ने 31 जनवरी को पटना स्थित बिहार के राज्यपाल आवास लोक भवन में बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन द्वारा दिलाई गई शपथ ली। 57 वर्षीय चौधरी, नीतीश कुमार के एक दशक के कार्यकाल के बाद इस्तीफे और राज्यसभा में शामिल होने के निर्णय के बाद बिहार के पहले भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री बने। चौधरी की नियुक्ति बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, जो नीतीश कुमार के सुशासन के युग का अंत करती है और राज्य में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए एक नए चरण का संकेत देती है। चौधरी का राजनीतिक करियर 1990 के दशक में राष्ट्रीय जनता दल से शुरू हुआ था, जिसके बाद वे 2018 में भाजपा में शामिल हुए। चौधरी के साथ-साथ, जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता और बिहार के वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव और पार्टी नेता विजय कुमार चौधरी ने भी उसी दिन बिहार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

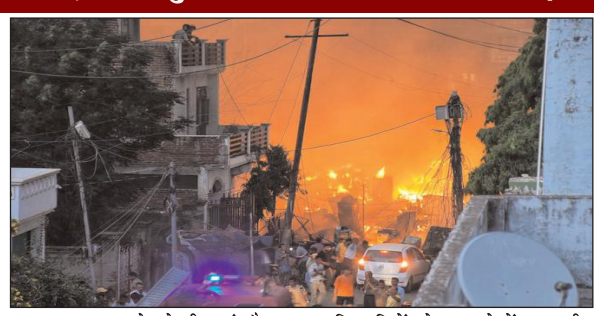
भाजपाः मुख्यमंत्री सहित 15 मंत्री
जेडीयूः 2 उपमुख्यमंत्रियों सहित 17 मंत्री
एलजेपी (राम विलास): 2 मंत्री
एचएमः 1 मंत्री
आरएलएमः 1 मंत्री

बिहार की नवगठित सरकार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कई विभागों का नियंत्रण अपने पास बरकरार रखा है और उन्हें कुल 29 विभागों का प्रभार सौंपा गया है। उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी को 10 विभाग आवंटित किए गए हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र कुमार यादव 8 विभागों की देखरेख करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिमंडल विस्तार 1 मई को होने की उम्मीद है और नई सरकार के कार्यभार संभालने के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने के बाद एनडीए सहयोगियों के बीच समन्वय बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिए एक और अहम चुनौती जेडीयू के भीतर मतभेद पैदा किए बिना राज्य स्तरीय मुद्दों को सुलझाना होगा, खासकर तब जब नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद पार्टी में असंतोष की खबरें सामने आई थीं। हालांकि, नीतीश कुमार ने खुद सार्वजनिक रूप से कोई नाराजगी नहीं जताई।

राजधानी में 1200 झोपड़ियां जलकर राख

पटाखों की तरह फूटे सिलिंडर, आग बुझाने में लगीं 22 दमकल गाड़ियां

एजेंसी



लखनऊ । विकासनगर सेक्टर-12 रिंग सड़क किनारे बस्ती अवैध बस्ती में बुधवार शाम आग लग गई। देखते ही देखते आग ने 1200 झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। झोपड़ियों में रखे 100 के करीब गैस सिलिंडर भी फटे। आग से पूरे इलाके में भगदड़ मच गई। बस्ती में बनी झोपड़ियों से लोग जान बचाकर भागने लगे। 22 दमकल की गाड़ियों ने मिलकर आग बुझाने का काम शुरू किया जो रात 10 बजे तक चलता रहा। आग से 50 के करीब मवेशियों के जिंदा जलने की सूचना है, पर इसकी पुष्टि नहीं हुई। कुछ बच्चे भी लापता है। पुलिस व प्रशासन बस्ती में सर्च ऑपरेशन चला रहा है। लोगों का आरोप है कि समय पर पुलिस व दमकल नहीं पहुंची और आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। नाराज लोगों की पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों से तीखी नोकझोक और धक्का-मुक्की भी हुई। विकासनगर सेक्टर-12 स्थित मिनी स्टेडियम से कुछ दूरी पर तीन बीघा खाली जमीन पर वर्षों से लोग झोपड़ी बना कर रह रहे थे। रोज की तरह मंगलवार सब कुछ सामान्य था। शाम करीब पांच बजे अचानक एक मस्जिद नूमा झोपड़ी में आग लग। आग देखते ही वहां मौजूद लोगों ने उसको बुझाने की कोशिश की पर नाकाम रहे। आरोप है कि मदद के लिए पुलिस कंट्रोल रूम को फोन लगाया गया, पर कॉल नहीं लगी। कुछ देर के बाद कॉल लगी और सूचना दी गई। मौके पर मौजूद लोगों का आरोप है कि सूचना के एक घंटे के बाद पुलिस व दमकल की गाड़ियां पहुंची। देरी की वजह से आग विकराल रूप ले चुकी थी। एक के बाद एक झोपड़ियां धूं-धूं करके जलने लगीं। बस्ती में लगी आग देख पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद लोग अपनी जान बचाकर चीखते-चिल्लाते हुए इधर-उधर भागने लगे। सड़क पर भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। आसपास की दुकानें बंद कर दी गई। ट्रैफिक भी रुक गया। मौके पर पहुंची पुलिस व दमकल कर्मियों ने आग का भयानक रूप देखा अधिकारियों को इस बारे में खबर दी। देखते ही देखते पुलिस व प्रशासन के आलाधिकारी और 22 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। बस्ती में लगी आग के चलते झोपड़ियों में रखे गैस सिलिंडर एक के बाद एक दगना शुरू हो गए। गैस सिलिंडरों के धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। बस्ती में रहने वाले लोगों का कहना है कि आग से दो गाय और करीब 50 बकरियां जिंदा जल गईं। फिलहाल मवेशियों के जलने की पुष्टि पुलिस व प्रशासन ने नहीं की है। आग का विकराल रूप देख पुलिस ने बस्ती के चारों तरफ बने 30 घरों को खाली करा लिया। आग की खबर पाकर मौके पर डीजी फायर सुजीत पांडेय, पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर, जिलाधिकारी वी. विशाख सहित कई थानों की फोर्स, एसडीआरएफ और डॉक्टरों की टीम को बुला लिया गया।

राहुल ने महिला आरक्षण बिल के समय पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण बिल पास करने के लिए 2011 की जनगणना का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि देश में अभी जाति-आधारित जनगणना चल रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार अभी जो प्रस्ताव ला रही है, उसका महिला आरक्षण से कोई लेना-देना नहीं है। यह संशोधन परिसीमन और चुनावी क्षेत्रों की मनमानी फेरबदल का इस्तेमाल करके सत्ता पर कब्जा करने की एक कोशिश है। उनकी यह प्रतिक्रिया संसद के विस्तारित बजट सत्र के शुरू होने से ठीक एक दिन पहले आई है। इस सत्र के दौरान, संसद में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने की सुविधा के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में संशोधनों और एक प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर चर्चा होने की उम्मीद है। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस स्पष्ट रूप से महिला आरक्षण का समर्थन करती है और संसद ने 2023 में इस विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया था।



अपनी पोस्ट के साथ एक वीडियो संदेश जोड़ते हुए, उन्होंने इसे एक महत्वपूर्ण मुद्दा बताया, विशेष रूप से पिछड़े वर्गों, दलितों, आदिवासी समुदायों और महिलाओं के लिए। विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि जनता को अब धोखा दिया जा रहा है। उन्होंने वीडियो में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं चाहते कि यह फैसला (महिला आरक्षण का) जाति जनगणना, नई जनगणना या ओबीसी जनगणना पर आधारित हो। वह 2011 की जनगणना का इस्तेमाल करना चाहते हैं, जिसमें पिछड़े वर्गों की संख्या शामिल नहीं है। यह आरोप लगाते हुए कि पिछड़े वर्गों की भागीदारी छीनी जा रही है, उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह नहीं चाहती कि पिछड़े वर्गों के लोगों को उनकी वास्तविक आबादी के आधार पर भागीदारी मिले।

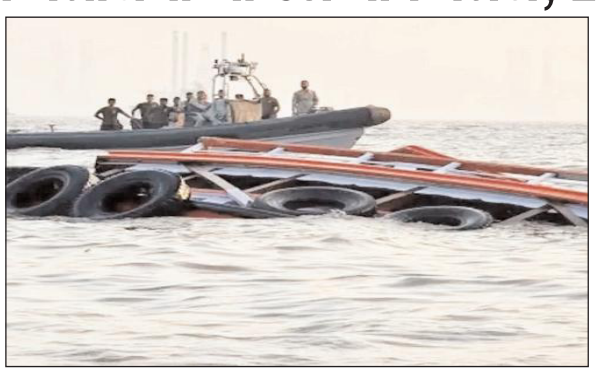
मान सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा छीन ली

लुधियाना । आम आदमी पार्टी (आप) और उसके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच का विवाद बढ़ता जा रहा है। पंजाब की भगवंत मान की अगुआई वाली आप सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा छीन ली है। पंजाब के सहप्रभारी, सांसद और राज्यसभा में उपनेता होने के नाते चड्ढा को पंजाब पुलिस की सुरक्षा मिली थी। आप के दिल्ली के नेता सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि चड्ढा को केंद्र सरकार ने जेड प्लस सुरक्षा दे दी है। केंद्र सरकार आखिर राघव चड्ढा पर इतनी मेहरबान क्यों है हालांकि, चड्ढा के करीबी सूत्रों के मुताबिक अभी उन्हें केंद्र से सुरक्षा नहीं मिली है। लेकिन जानकारी के मुताबिक उन्हें जल्द केंद्रीय सुरक्षा मिल सकती है।

अंडमान सागर में मलेशिया जा रही नाव पलटी, 250 यात्री लापता

- नाव में म्यांमार के रोहिंग्या शरणार्थी और बांग्लादेशी नागरिक सवार थे

श्री विजयपुरम,(एजेंसी)। अंडमान सागर में मलेशिया जा रही एक नाव के समुद्र में पलटने से कम से कम 250 लोग लापता हो गए हैं। लापता लोगों में म्यांमार के रोहिंग्या शरणार्थी और बांग्लादेशी नागरिक हैं। यह घटना एक बार फिर उन जोखिमों को उजागर करती है, जिन्हें बेहतर भविष्य की तलाश में मजबूर लोग हर साल उठाते हैं। इस घटना के बाद किसी खोज अभियान की स्थिति बुधवार तक स्पष्ट नहीं हो सकी और न ही यह पता है कि नौका कब डूबी। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी और प्रवासन एजेंसियों ने दी है ।



संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि यह नाव टेकनाफ से रवाना हुई थी, जो बांग्लादेश के दक्षिणी जिले कॉक्स बाजार में स्थित है और इसमें बड़ी संख्या में यात्री सवार थे जो मलेशिया जा रहे थे। एजेंसियों के मुताबिक ज्यादा भीड़, तेज हवाओं और उफनते समुद्र के कारण नाव का नियंत्रण बिगड़ गया और वह डूब गई। यूएनएचसीआर और आईओएम ने कहा कि यह घटना रोहिंग्या लोगों के लंबे समय से चले आ रहे विस्थापन और स्थायी समाधान के अभाव को दर्शाती है।

उन्होंने बताया कि म्यांमार के रखाइन प्रांत में जारी हिंसा के कारण रोहिंग्या शरणार्थियों की देश में सुरक्षित वापसी अनिश्चित बनी हुई है। साथ ही शरणार्थी शिविरों में सीमित मानवीय सहायता, शिक्षा और रोजगार तक सीमित पहुंच उन्हें जोखिम भरी समुद्री यात्राएं करने के लिए मजबूर कर रही है, जो अक्सर बेहतर वेतन और अवसरों के झूठे वादों पर आधारित होती है। यूएनएचसीआर और आईओएम ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि बांग्लादेश में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए जीवन रक्षक सहायता तय करने के लिए वित्तीय सहयोग और एकजुटता को मजबूत किया जाए। बांग्लादेश ने म्यांमार से आए 10 लाख से ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थियों को शरण दी है।

प्रयागराज में ट्रेन से कटकर पांच लोगों की मौत

एजेंसी

प्रयागराज । जिले के करछना थाना क्षेत्र स्थित पचदेवरा गांव के पास बुधवार शाम बड़ा रेल हादसा हो गया। दिल्ली-हावड़ा रूट पर कालका मेल से उतरकर पटरी पर खड़े पांच यात्री पुरुषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कालका मेल में एक यात्री के गिरने के बाद चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोका गया था। ट्रेन रुकने पर कुछ यात्री नीचे उतर गए और पटरी किनारे खड़े हो गए। इसी दौरान मिर्जापुर की ओर से आ रही पुरुषोत्तम एक्सप्रेस तेज रफ्तार से गुजरी और पांच लोगों को रौंद दिया। हादसे में फिरोजाबाद जिले के खैरगढ़ थाना क्षेत्र के पृथ्वीपुर गांव निवासी 19 वर्षीय आकाश पुत्र गिरिराज की मौत हो गई। वह कोलकाता में एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था। उसके साथ अजय पुत्र मुन्ना पासी निवासी कोलकाता भी सफर कर रहा था। मृतकों में मिर्जापुर निवासी सुनील की भी पहचान हुई है, जबकि दो अन्य की शिनाख्त नहीं हो सकी है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर रेलवे पुलिस, स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की जांच की जा रही है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से झटका

- तेलंगाना हाईकोर्ट की जमानत पर लगी रोक
- असम सरकार की अपील पर सुनवाई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के आरोपों से जुड़ा है।

दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्व सरमा की पत्नी रिनीकी भुइयां शर्मा ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने रिनीकी भुइयां के पास कई देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हुआ। संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था, जहां से उन्हें एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। हालांकि, इस फैसले को असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है। मामले की सुनवाई जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि पवन खेड़ा असम के सक्षम न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश का उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तेलंगाना हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि याचिका में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि जब कथित अपराध गुवाहाटी में हुआ, तो तेलंगाना हाईकोर्ट का क्षेत्राधिकार कैसे बनता है। इसके साथ ही आधार कार्ड से जुड़े एक पहलू पर भी बहस हुई। अदालत को बताया गया कि याचिका दाखिल करते समय पवन खेड़ा की ओर से उनकी पत्नी का आधार कार्ड प्रस्तुत किया गया था, ताकि तेलंगाना से संबंध दिखाया जा सके। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने आपत्ति जताते हुए इसे कानून का दुरुपयोग बताया।

बिहार में सम्राट चौधरी ने 24वें मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

पटना,(एजेंसी)। बिहार की राजनीति में आज एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें शपथ दिलाई। राज्य के इतिहास में यह पहला अवसर है जब बिहार की कमान पूर्ण रूप से भाजपा के किसी मुख्यमंत्री के हाथों में सौंपी गई है। यह सत्ता परिवर्तन नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे और उनके राज्यसभा जाने के फैसले के बाद हुआ है। लगभग दो दशकों तक बिहार की कमान संभालने वाले नीतीश कुमार ने सोमवार को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था, जिसके बाद भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। नई सरकार के शक्ति संतुलन और गठबंधन के समीकरणों को साधने के लिए जनता दल (यूनाइटेड) की ओर से दो वरिष्ठ नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। सम्राट चौधरी के साथ विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राजनीति के जानकारों का मानना है कि भाजपा का यह कदम राज्य में अपनी जड़ों को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा दांव है। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे और पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस बदलाव का जश्न मनाया।



अंबेडकर जयंती पखवाड़े में चंदौसी विधानसभा में श्रद्धा और संकल्प का संगम, PDA की मजबूती पर जोर

दैनिक बुलन्द मंज़िल चंदौसी। डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव पखवाड़े के अंतर्गत चंदौसी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर चितौरी स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जनसमूह को शपथ दिलाई गई कि वे बाबा साहब के बताए मार्ग शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करोह्व पर चलते हुए अन्याय, भेदभाव और शोषण के खिलाफ निरंतर संघर्ष करेंगे तथा समाज को सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब के विचार ही हमारे मार्गदर्शक हैं और एक समतामूलक एवं न्यायपूर्ण समाज का निर्माण हमारी जिम्मेदारी है।



इस दौरान विनीत कुमार, मनीष कुमार, वीरपाल सिंह, अजय कश्यप सहित सैकड़ों आंबेडकरवादी मौजूद रहे। इसके पश्चात चंदौसी विधानसभा के ही गांव मौलागढ़ मोजमपुर में आयोजित जयंती कार्यक्रम में पहुंचकर बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। यहां आयोजित जनसभा में PDA(पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की मजबूती पर विशेष जोर दिया गया।

सभा को संबोधित करते हुए कुमारी ने कहा कि बाबा साहेब ने हमें शिक्षित होने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी है। वर्तमान समय में संविधान पर मंडरा रहे खतरों से निपटने के लिए समाजवादी पार्टी और PDA के हाथों को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की नीतियों के साथ एकजुट होकर विजय हासिल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन जय भीम, जय समाजवाद के नारों के साथ हुआ।

धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती, न कि न्यायिक मानकों से

- सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर पक्ष का तर्क

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई के दौरान धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक सीमाओं पर अहम बहस हुई। सबरीमाला मंदिर का प्रबंधन देखने वाले त्रावणकोर देवस्थनम बोर्ड की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि शीर्ष अदालत को धार्मिक मान्यताओं की सही-गलत की व्याख्या नहीं करनी चाहिए। उनके अनुसार, किसी भी धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती है, न कि न्यायिक मानकों से होती है।



वकील सिंघवी ने कहा कि धर्म मूल रूप से एक सामूहिक विश्वास है, इसलिए कुछ व्यक्तियों के अधिकार पूरे समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता पर हावी नहीं हो सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक अधिकारों पर रोक केवल विधि (कानून) के माध्यम से ही लग सकती है, न कि केवल सरकारी आदेशों या निर्देशों से रोक लगा सकते है। यदि बिना कानून के हस्तक्षेप हुआ, तब इससे सरकार को मनमाने ढंग से धार्मिक स्वतंत्रता में दखल देने का मौका मिल सकता है।

इस मामले की पृष्ठभूमि में केरल हाईकोर्ट का 1991 का फैसला है, इसमें 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इस प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताकर हटा दिया। इसके बाद पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर कई संवैधानिक प्रश्नों पर अब विस्तृत बहस हो रही है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने कहा कि यदि सभी को मंदिर में प्रवेश की अनुमति है, तब अंदर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि अलग-अलग जातियों को अलग स्थानों पर बैठाकर भोजन कराना असमानता का प्रतीक है। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि कुछ धार्मिक प्रथाएं ऐसी हो सकती हैं, जिसमें दर्शन या पूजा के तरीके अलग हों, और हर स्थिति में कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता। सुनवाई के दौरान सिंघवी ने तर्क दिया कि अदालत धार्मिक प्रथाओं को अपनी व्याख्या के आधार पर बदल नहीं सकती, यदि वे किसी धर्म का स्थापित और मान्य हिस्सा हैं। हालांकि, यदि कोई प्रथा कानून के विरुद्ध हो या पूरे समुदाय द्वारा मान्य न हो, तब उस पर रोक लग सकती है। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुधार से जुड़े कानून, जैसे हिंदू उत्तराधिकार कानून, किस आधार पर बनाए गए। वहीं, आर्टिकल 15(3) के तहत महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान लागू होने की संभावना पर भी चर्चा हुई। इस पर मंदिर के वकील सिंघवी ने चेतावनी दी कि यदि अदालतें यह तय करने लगें कि कौन-सी धार्मिक प्रथा आवश्यक है और कौन-सी नहीं, तब न्यायपालिका धर्म के मामलों में अत्यधिक हस्तक्षेप करने लगेगी, जिसकी कोई स्पष्ट सीमा नहीं होगी। उन्होंने उदाहरण के तौर पर जैन दिगंबर साधुओं की परंपरा का उल्लेख किया, जो सामान्य सामाजिक दृष्टि से अलग हो सकती है, लेकिन उनके धर्म का अभिन्न हिस्सा है। अंत में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस मामले में संवैधानिक नैतिकता के बजाय सार्वजनिक नैतिकता का पहलू भी महत्वपूर्ण रहेगा। यह पूरा मामला धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और न्यायिक सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती को दर्शाता है।

संपादकीय

नारी-आरक्षण: नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।राजनीत

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दशार्ता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है। हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है।

कई समस्याओं का समाधान है जनगणना

यह सही है कि जनगणना में देरी ने नीति निर्माण के लिए आधार के स्तर पर जो निर्वात की स्थिति बना रखी थी, वह एकाएक दूर होने से रही, लेकिन यह देश को वह आईना दिखाने में अवश्य सफल होगी, जो आगे की राह पर बढ़ने के लिए आवश्यक है।कल्याणकारी राज्य की भूमिका में जनगणना की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण मानी गई है। सदियों पहले अपनी रचना अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने भी यह उल्लेख किया था कि यदि राज्य बेहतर शासन प्रदान करना चाहता है तो उसे अपनी जनता की भलीभांति जानकारी होनी चाहिए। कौटिल्य का मानना था कि जो राज्य अपने लोगों की गणना नहीं करता, वह अंधकार में शासन करता है। कोविड और कतिपय अन्य कारणों से भारत में भी निरंतर चली आ रही जनगणना की राह में जो अंधकार उत्पन्न हुआ था, वह अंततः छंट गया और इस महीने की शुरुआत से देश में जनगणना की विधिवत शुरुआत भी हो गई है। चूंकि भारत विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है, इसलिए गणना की यह प्रक्रिया भी उसी अनुपात में बहुत विस्तारित रहने वाली है।

इसमें 30 लाख से अधिक गणना करने वाले, पर्यवेक्षक और अधिकारी महीनों तक 140 करोड़ भारतीयों से 33 प्रश्न पूछेंगे। देश के सात हजार से अधिक शहरों और छह लाख से अधिक गांवों में चलने वाली यह विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद होने जा रही है। इस जनगणना की एक विशेषता यह भी है कि यह पूरी तरह डिजिटल रूप में की जाएगी। सभी भारतीय नागरिक 16 भाषाओं में उपलब्ध एक पोर्टल के माध्यम से स्वयं गणना कर सकते हैं। इसके शुभंकर का नाम प्रगति और विकास रखा गया है। इसके प्रतीकात्मक अर्थ से लेकर इससे जुड़ी आकांक्षाएं भी एकदम स्पष्ट हैं।

भारत में जनगणना से जुड़ी परंपरा की जड़ें स्वतंत्रता प्राप्ति के पहले से जुड़ी हुई हैं। इसका पहला आधुनिक प्रयास ब्रिटिश शासन के दौरान 1865 और 1872 के बीच किया गया। हालांकि तब ऐसी कवायद एक साथ नहीं की गई थी और सभी प्रांतों के बीच इसे लेकर समन्वय का भी अभाव था। वर्ष 1881 में जाकर ही पहली बार अविभाजित भारत में एक साथ जनगणना हो पाई थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहली बार 1951 में जनगणना हुई और उसके बाद से इक्का-दुक्का अपवादों के साथ यह क्रम अनवरत रूप से जारी रहा।

समय के साथ जनगणना के प्रश्नें का स्वरूप भी बदलता गया। 1872 की अनुसूची में मात्र 17 प्रश्न थे, जिनमें 'कौन कहां रहता है' से अधिक कुछ दर्ज नहीं किया गया था। वहीं 1901 की जनगणना में अंग्रेजी में दक्षता के बारे में पूछा गया, जो औपनिवेशिक दौर की एक विशेष प्राथमिकता थी। हालांकि 2011 तक के अपने पड़ाव में जनगणना ने प्रवासन का इतिहास, प्रजनन रुझान, कामकाज से जुड़ी आदतें और दिव्यांगता से जुड़े विस्तृत आंकड़ों को समाहित करना आरंभ किया। ऐसे में यह कहना उचित ही होगा कि जनगणना राज्य के समक्ष उभरते पहलुओं का प्रतिबिंब ही होती है।

देश में 2021 की जनगणना नहीं हो पाई। इसके पीछे एक प्रमुख कारण कोविड महामारी रही, जिसके चलते प्राथमिकताएं एकाएक बदल गई थीं और इतनी बड़ी प्रशासनिक प्रक्रिया संभव होती नहीं दिख रही थी। फिर भी कुछ सवाल तो उठते ही हैं कि कोविड से निपटने में 2022 तक स्थितियां काफी हद तक सामान्य हो गई थीं और 2023 से लेकर 2024 तक जनगणना की प्रक्रिया को सिरे चढ़ाने के लिए गुंजाइश भी थी, लेकिन उस मोर्चे पर अपेक्षित प्रयास नहीं किए गए गए। जो जनगणना अभी आरंभ हुई है उसकी औपचारिक अधिसूचना जून 2025 में आई और उसके 15 महीने बाद यह प्रक्रिया आरंभ हुई है। इसमें कहा जा सकता है कि कभी नहीं से तो देर ही भली, लेकिन देरी को जायज ठहराना थोड़ा कठिन है।



भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान शासन का ढर्रा 2011 में हुई जनगणना के आधार पर ही चलता रहा, जबकि इस दौरान परिदृश्य बहुत व्यापक रूप से बदलने वाला रहा। वैसे भी 15 साल का समय कोई कम नहीं होता। इस अवधि में करोड़ों भारतीयों ने अपने मूल स्थानों से पलायन किया। व्यवसाय बदले। वे गांव छोड़कर शहरी बन गए हैं। जबकि नीति नियोजन में न केवल ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों के वर्गीकरण को लेकर स्पष्टता का अभाव बना हुआ है, बल्कि उनका आधार भी 2011 के जनगणना के आंकड़े बने हुए हैं। कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक व्यय के लिए यह पुराना परिदृश्य उचित नहीं।

इसके व्यावहारिक परिणाम भी केवल कोरी कल्पना या सैद्धांतिक मात्र नहीं हैं। शोधकर्ताओं से लेकर और नीति-निर्माता उपभोग व्यय से लेकर श्रम बल भागीदारी या सामाजिक परिस्थितियों का आकलन करने के लिए जनगणना को ही अपना आधार बनाते हैं। जब ऐसी सूची ही 15 साल पुरानी हो तो उस आधार पर आकार लेने वाली तस्वीर वास्तविक नहीं बन पाएगी। इस तरह छोटी-छोटी विसंगतियां जमा होकर बड़ी विकराल स्थिति निर्मित कर देती हैं।

जनगणना 2027 में जनसांख्यिकी से अधिक भी बहुत कुछ दांव पर लगा है। ऐसा ही एक पहलू है संसदीय एवं विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन, जिसमें नई जनगणना के आंकड़े बहुत निर्णायक साबित होंगे। भारत का राजनीतिक मानचित्र अभी भी पुराने परिदृश्य पर ही आधारित है, जो बदलते हुए देश की आकांक्षाओं को आदर्श रूप में अभिव्यक्त नहीं करता। नई जनगणना इसमें सुधार का अवसर उपलब्ध कराएगी। इसमें 1931 के बाद पहली बार जातियों की गणना भी की जा रही है। यह मुद्दा काफी विवादास्पद है। इसके पक्ष में दलील देने वाले कहते हैं कि जातियों की गणना के बिना कल्याणकारी योजनाओं का खाका सही ढंग से नहीं बनाया जा सकता।

जबकि इसके विरोधी कहते हैं कि इससे विभाजन की वे रेखाएं और गहरा सकती हैं, जिन्हें संविधान ने धुंधला करते हुए समाप्त करने का प्रयास किया। दोनों ही दलीलों में कुछ न कुछ दम है। जनगणना में देरी की एक वजह जातिगत जनगणना को लेकर दुविधा भी गिनाई जा सकती है कि इस राह पर आगे बढ़ा जाए या नहीं। इस संदर्भ में याद रखना होगा कि जो समाज अपनी समस्याओं को मापता नहीं, वह उनका समाधान भी नहीं कर सकता। यह सही है कि जनगणना में देरी ने नीति निर्माण के लिए आधार के स्तर पर जो निर्वात की स्थिति बना रखी थी, वह एकाएक दूर होने से रही, लेकिन यह देश को वह आईना दिखाने में अवश्य सफल होगी, जो आगे की राह पर बढ़ने के लिए आवश्यक है।

श्रमिकों के धरने-प्रदर्शन के साथ पथराव का सिलसिला खत्म

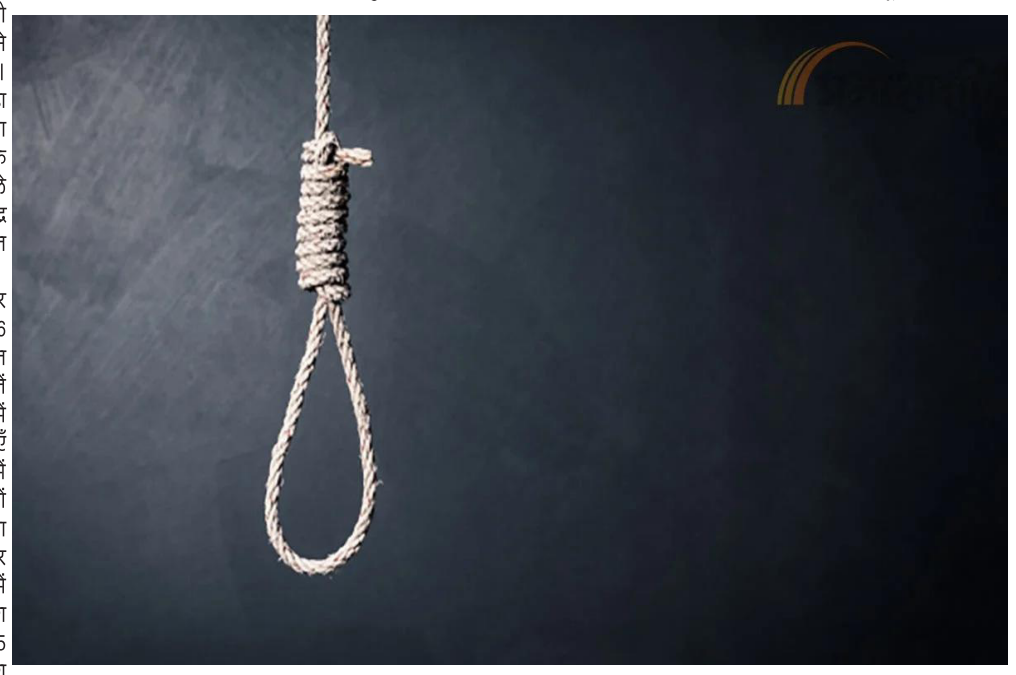
यह आवासीय क्षेत्र भी है और श्रमिकों की हिंसा से आम लोग भी तंग हुए। श्रमिकों को अपनी मांगें रखने का अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर यदि वे उपद्रव करेंगे तो अपना ही नुकसान करेंगे। यह शुभ संकेत नहीं कि दिल्ली से सटे गौतमबुद्ध नगर के नोएडा में श्रमिकों के धरने-प्रदर्शन के साथ पथराव का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। बीते दिनों नोएडा में श्रमिकों ने जिस बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ एवं आगजनी की, वह यही बताती है कि इसके पीछे कोई गहरी साजिश थी, क्योंकि यह सहज-सामान्य नहीं कि यकायक बड़ी संख्या में श्रमिक सड़कों पर उतर आएं और अराजकता का सहारा लेकर लोगों को भयाक्रांत करें।पुलिस की ओर से श्रमिकों के उपद्रव के मामले में साजिश को रेखांकित तो किया जा रहा है, लेकिन आखिर उसे समय रहते इसकी भनक क्यों नहीं लगी? नोएडा में श्रमिकों के बीच असंतोष व्याप्त हो रहा है, इसका भान शासन को भी होना चाहिए था और प्रशासन को भी, क्योंकि वेतन वृद्धि का मामला कई दिनों पहले और खासकर तब उभर आया था, जब हरियाणा के गुरुग्राम में कामगारों के वेतन में वृद्धि कर दी गई।इसका असर पड़ोसी क्षेत्र नोएडा के श्रमिकों पर भी पड़ा। हालांकि जिलाधिकारी ने उनके असंतोष को दूर करने के लिए बोनस, ओवरटाइम, वेतन भुगतान के समय आदि को लेकर कई निणर्य किए और उनकी शेष समस्याओं पर विचार करने की भी बात कही, लेकिन किन्हीं कारणों से श्रमिक संतुष्ट नहीं हुए। क्या इसलिए कि कोई उन्हें हिंसा के लिए भड़का रहा था?इसकी आशंका इसलिए बलवती होती है कि एक तो उन प्रतिष्ठानों को भी निशाने पर लिया गया, जहां के कामगारों के लिए वेतन में कमी कोई मुद्दा नहीं था और दूसरे गत दिवस घरेलू सहायिकाओं के तौर पर काम करने वाली महिलाएं भी सड़कों पर उतर आईं। आखिर उनका वेतन तो उनकी मांग पर ही तय होता है। आम तौर पर उनके सामने कम पैसे पर काम करने की कोई विवशता नहीं होती।यह ठीक है कि नोएडा में श्रमिकों की हिंसा के बाद राज्य सरकार की ओर से उनके वेतन में वृद्धि के निणर्य के साथ एक ऐसी समिति गठित कर दी गई है, जो उनकी मांगों पर विचार करेगी, लेकिन इस मामले में केंद्र सरकार को भी चेतना होगा, क्योंकि नोएडा की श्रमिक अशांति का असर अन्य राज्यों पर भी पड़ सकता है। देश में श्रमिक अशांति कोई नई बात नहीं है, लेकिन इतना तो है ही कि लंबे समय बाद देश में कहीं पर इतने बड़े पैमाने पर कामगारों ने हिंसा की। ध्यान रहे नोएडा केवल औद्योगिक क्षेत्र ही नहीं।यह आवासीय क्षेत्र भी है और श्रमिकों की हिंसा से आम लोग भी तंग हुए। श्रमिकों को अपनी मांगें रखने का अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर यदि वे उपद्रव करेंगे तो अपना ही नुकसान करेंगे। यदि उनके उपद्रव के भय के चलते नोएडा की फैक्ट्रियां लंबे समय तक बंद रहती हैं तो सबसे अधिक नुकसान उन्हें ही उठाना पड़ेगा। चूंकि नुकसान उद्यमियों को भी होगा, इसलिए उनका पक्ष भी सुना जाना चाहिए।



फांसी जैसी सजा से ही रुकेंगी पुलिस हिरासत में मौतें

सुप्रीम कोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को एक मामले की सुनवाई करते हुए हिरासत में हिंसा और मौतों को सिस्टम पर धब्बा बताया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा था कि अब यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं।देश के न्यायालयों ने एक बार फिर पुलिस का वीभत्स चेहरा उजागर कर दिया है। आम लोगों की सुरक्षा के गठित किया गया पुलिस तंत्र किस कदर तानाशाह बन गया है, अदालतों के फैसलों ने इसे बेनकाब किया है। मदुरै की एक अदालत ने सातानुकुलम पुलिस स्टेशन में बाप-बेटे की मौत के मामले में 9 लोगों को फांसी की सज़ा सुनाई है। इसके अलावा सभी दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया है। तूतीकोरिन जिले के सातानुकुलम के व्यापारी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को 19 जून 2020 को कोरोना काल के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया और बुरी तरह पीटा। इसके बाद 21 जून को दोनों को कोविलपट्टी जेल में रखा गया। 22 जून की रात क़रीब 9 बजे बेनिक्स की मौत हो गई, जबकि अगली सुबह जयराज की भी मौत हो गई। इस मामले ने पूरे देश में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने खुद संज्ञान लेते हुए पुलिस से रिपोर्ट मांगी। बाद में यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया।

इसी तरह लुधियाना जिले में करीब छह साल पहले रिकवरी एजेंट दीपक शुक्ला की थाना डिविजन नंबर 5 की पुलिस हिरासत में हुई थी। मौत के मामले में लुधियाना की अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने मामले की गंभीरता और साक्ष्यों को देखते हुए चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या के तहत आरोप तय करने के आदेश जारी किए हैं। यह पूरा मामला फरवरी 2020 का है, जब पुलिस ने दीपक शुक्ला को वाहन चोरी के एक मामले में हिरासत में लिया था। दीपक पर चोरी का झूठा मामला दर्ज कर उसे अमानवीय यातनाएं दीं। 26 फरवरी 2020 की रात दीपक ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद पुलिसिया तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। दीपक के परिवार ने इंसाफ के लिए एक लंबी और थका देने वाली कानूनी लड़ाई लड़ी।पंजाब के मोगा जिले में भिंदर सिंह की मौत गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं देने से हुई थी। न्यायिक जांच में सामने आया कि भिंदर सिंह को कथित तौर पर गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं दी गईं। इस मामले में स्थानीय अदालत ने पंजाब पुलिस के पांच कर्मियों के खिलाफ हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में ट्रायल चलाने का आदेश देते हुए केस को सेशन कोर्ट में भेज दिया है। जुलाई 2024 को मध्यप्रदेश के बिलाखेड़ी निवासी युवक की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। पुलिस ने 8 लाख रुपये की कथित चोरी के आरोप में उसे हिरासत में लिया था। हिरासत में मौत के बाद उसकी मां ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसके परिणामस्वरूप 15 मई को सीबीआई जांच का आदेश जारी हुआ। इस जांच के सिलसिले में एजेंसी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि हिरासत में हुई मौत के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार माने जाने वाले दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अभी भी फरार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को एक मामले की सुनवाई करते हुए हिरासत में हिंसा और मौतों को सिस्टम पर धब्बा बताया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा था कि अब यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं। शीर्ष अदालत पूरे भारत के पुलिस स्टेशनों में काम न कर रहे सीसीटीवी कैमरों के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। 4 सितंबर को दिए गए अपने आदेश का हवाला देते हुए बेंच ने कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में 11 हिरासत में हुई मौतों की रिपोर्ट सामने आई है।कोर्ट ने कहा कि इससे साफ़ है कि हिरासत में अत्याचार कम होने के बजाय जारी हैं। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र की ओर से थानों में सीसीटीवी को लेकर मांगी गई रिपोर्ट न सौंपने पर कड़ी नाराज़गी जताई थी। केंद्र सरकार ने एक भी रिपोर्ट जमा नहीं की। जस्टिस नाथ ने इस पर कड़ा एतराज़ जताते हुए कहा था कि केंद्र सरकार अदालत के आदेशों को हल्के में नहीं ले सकती। उन्होंने पूछा, 'केंद्र सरकार अदालत को बहुत हल्के में ले रही है, क्यों?



राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार, 2016 और 2022 के बीच भारत में हिरासत में 11,650 मौतें हुईं। अकेले उत्तर प्रदेश में 2,630 हिरासत में मृत्युएँ दर्ज की गईं, जो देश में सबसे अधिक है। आंकड़ों के 2023 के विश्लेषण से पता चलता है कि 2017 और 2022 के बीच, हिरासत में हुई मृत्युओं के संबंध में देश भर में केवल 345 मजिस्ट्रियल जाँच के आदेश दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप केवल 123 गिरफ्तारियाँ हुईं। एनएचआरसी के आंकड़ों से पता चलता है कि 1996 और 2018 के बीच हिरासत में हुई 71इ मौतें गरीब या कमज़ोर पृष्ठभूमि के बंदियों की थीं।सर्वोच्च न्यायालय ने डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य, 1997 के फैसले में गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित अनिवार्य सुरक्षा उपाय निर्धारित किए थे। जिसके तहत रिश्तेदारों को सूचित करना, गिरफ्तारी ज्ञापन रखना, चिकित्सा परीक्षण, कानूनी परामर्श, 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करना अनिवार्य था। इन दिशा-निर्देशों को अनुच्छेद 141 के अंतर्गत प्रवर्तनीय कानून माना जाता है। न्यायालय का यह आदेश कहीं धूल फांक रहा है। न्यायमूर्ति बी.एस. चौहान की अध्यक्षता में गठित भारतीय विधि आयोग ने 30 अक्टूबर, 2017 को तत्कालीन विधि एवं न्याय मंत्री रवि शंकर प्रसाद को सौंपी गई अपनी 273 वीं रिपोर्ट में केंद्र सरकार से संयुक्त राष्ट्र संघ के यातना-विरोधी सम्मेलन की पुष्टि करने और यातना निवारण कानून लागू करने की सिफारिश की थी। आयोग ने यातना निवारण के लिए ठोस तर्क प्रस्तुत किए हैं। इस रिपोर्ट में यातना निवारण विधेयक के अलावा विधि आयोग ने यातना उन्मूलन के उद्देश्य को सार्थक बनाने के लिए मौजूदा कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव दिया था। रिपोर्ट में यातना के खतरे को कम करने और यातना के कृत्यों पर रोक लगाने और ऐसे कृत्यों के अपराधियों के लिए कठोर दंड की सिफारिश की गई। इस रिपोर्ट के साथ संलग्न विधेयक के मसौदे में आजीवन कारावास और जुर्माने तक के दंड का प्रावधान था। आयोग ने न्यायसंगत मुआवजे का निणर्य न्यायालयों पर छोड़ दिया। इसके अलावा, आयोग ने यातना पीड़ितों, शिकायतकर्ताओं और यातना के मामलों के गवाहों को संभावित खतरों, हिंसा और दुर्व्यवहार से बचाने के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित करने की सिफारिश भी की गई थी। 1997 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र यातना-विरोधी सम्मेलन की पुष्टि नहीं की। इसकी पुष्टि करने का अर्थ यह होता कि भारत को यातना निवारण विधेयक पारित करना होगा, जिसे पहली बार 2010 में यूपीए द्वितीय सरकार द्वारा पेश किया गया था। इसमें किसी लोक सेवक द्वारा या लोक सेवक की सहमति से ऐसा कृत्य, जिससे गंभीर चोट पहुंचे या जीवन, अंग या स्वास्थ्य (मानसिक या शारीरिक) को खतरा हो। इसमें जबरन कबूलनामा करवाने के उद्देश्य से, या धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास स्थान, भाषा, समुदाय या किसी अन्य आधार पर दंडित करने के लिए दी गई यातना के लिए न्यूनतम 3 वर्ष की सजा का प्रस्ताव था, जिसे 10 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। विधेयक आज तक कानून नहीं बन पाया। इससे साफ जाहिर है जो भी दल सत्ता में आता है, वह देश के मौजदा पुलिस सिस्टम में बदलाव नहीं करना चाहता। कारण साफ है यदि ऐसे कानून बन जाएंगे तो पुलिस अधिकारी नेताओं के इशारे पर नहीं नाचेंगे। जब नाचेंगे नहीं तो नेताओं के मौखिक तौर पर गैर कानूनी काम कैसे होंगे। यही वजह रही है कि केंद्र ने हाल ही में दंड संहिता को न्याय संहिता का नाम दे दिया है। इसमें पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। पुलिस अफसरों को लापरवाही बरतने और सही तरीके से ड्यूटी को अंजाम नहीं देने पर जेल भेजे जाने का प्रावधान नहीं किया गया। पुलिस हिरासत में मौतों का इस कानून में जिक्र तक नहीं किया गया। उल्टे पुलिस हिरासत में जब-जब मौतों का मामला सामने आता है, सरकार और पुलिस अफसर उसके रफा दफा करने में पूरी ताकत लगा देते हैं। सत्तारुढ राजनीतिक दलों की मिलीभगत का ही परिणाम है कि आज 21वीं सदी में भी भारत में पुलिस हिरासत में होने वाली मौतें आदिम युग की याद दिलाती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
जनपद अमरोहा
संभल
गुरूवार, 16 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
03

खनन माफिया पर वार, सिस्टम पर प्रहार–अमरोहा में गरजे सांसद

राशन, सड़क, जल और ट्रैफिक व्यवस्था पर कड़े निर्देश, लापरवाही पर कार्रवाई तय





दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद के समग्र विकास को गति देने और केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सांसद कंवर सिंह तंवर ने की, जिसमें जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच विकास कार्यों को लेकर गहन मंथन हुआ। बैठक की शुरूआत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव और मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र द्वारा सांसद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के स्वागत से हुई। इसके बाद सांसद ने सीधे मुद्दों पर आते हुए अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सांसद ने कहा कि देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर उनके ईमानदार क्रियान्वयन से ही पूरा होगा। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ करें। साथ ही निर्देश दिए कि विकास कार्यों में लगाए जाने वाले शिलापट्टों पर नियमानुसार जनप्रतिनिधियों के नाम अंकित किए जाएं। बैठक में सड़क सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। सांसद ने एनएचएआई अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हाइवे किनारे बनाए गए अवैध कट तत्काल बंद कराए जाएं, क्योंकि ये दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन रहे हैं। इसके अलावा नालों में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। राशन वितरण व्यवस्था पर सख्त रुख अपनाते हुए सांसद ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी लाभार्थियों को नियमानुसार खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। साथ ही घरेलू गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और उसकी सतत निगरानी के निर्देश भी दिए गए। अवैध खनन के मुद्दे पर सांसद का रुख बेहद सख्त नजर आया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बार-बार अवैध खनन में संलिप्त लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ प्रभावी और कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही एआरटीओ को निर्देशित किया गया कि बिना परमिट और अवैध रूप से संचालित वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर उन्हें बंद कराया जाए। हर घर जल योजना की समीक्षा करते हुए सांसद ने कहा कि जिन सड़कों को पाइपलाइन डालने के दौरान तोड़ा गया है, उन्हें गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र ठीक कराया जाए और शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। साथ ही सभी चल रही योजनाओं की अद्यतन सूची उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। किसानों के हितों को लेकर भी बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सांसद ने निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर कैंप लगाकर शत-प्रतिशत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित की जाए और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को निर्माण कार्यों के लिए मिट्टी लाने में अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। शहरी समस्याओं पर चर्चा करते हुए सांसद ने जाम की समस्या के समाधान के लिए ई-रिक्शा संचालन हेतु व्यवस्थित रूट और योजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्युत विभाग को आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को कहा। बैठक में अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं उठाईं। विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त ने स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता का मुद्दा उठाया, जबकि सदस्य सत्यपाल सिंह सैनी ने ग्रामीण शौचालयों की स्थिति और अवैध खनन पर चिंता जताई। विधायक समरपाल सिंह ने आदर्श ग्राम योजना के तहत चयनित गांवों की सूची उपलब्ध कराने और इलेक्ट्रिक बस सेवा की जानकारी मांगी। नगर पालिका परिषद अमरोहा की अध्यक्षा शशि जैन ने निजी विद्यालयों की फीस, ड्रेस और आरटीई पोर्टल से जुड़ी समस्याएं रखीं, जिस पर सांसद ने जिलाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। अंत में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने भरोसा दिलाया कि बैठक में दिए गए सभी निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और पार्टी पदाधिकारियों की व्यापक उपस्थिति रही, जिससे यह स्पष्ट हुआ।

न्यायालय के आदेश पर जमीन विवाद में मारपीट व धमकी का मुकदमा दर्ज



दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली ब्यूरो। थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर मारपीट, धमकी और कब्जे के गंभीर आरोपों का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जिससे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ला जामा मस्जिद जोया निवासी माकूल अहमद ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उन्होंने वर्ष 2020 में ग्राम खैय्या माफी निवासी अमजद अली, असद अली और रईस अहमद से गाटा संख्या 283 की पैतृक भूमि खरीदी थी। प्रार्थी के अनुसार, उक्त भूमि पर उन्होंने चारदीवारी भी कराई थी, लेकिन कई वर्षों तक वह वहां नहीं जा सके। इस बीच आरोप है कि गांव के ही सुनील, सुरजीत, सुशील पुत्रगण रामपाल तथा ब्रजपाल और जितेंद्र पुत्रगण ओमप्रकाश ने मौके का फायदा उठाकर उक्त भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया। आरोपियों द्वारा वहां पशु बांधने, गोबर व कूड़ा डालने जैसी गतिविधियां शुरू कर दी गईं। प्रार्थी का कहना है कि जब उन्हें इसकी जानकारी हुई और उन्होंने मौके पर जाकर विरोध किया, तो आरोपियों ने जाति का हवाला देते हुए उन्हें धमकाया और भविष्य में वहां आने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। मामले को लेकर पहले भी न्यायालय में कई स्तरों पर कार्यवाही हो चुकी है। बताया गया कि आरोपियों द्वारा धारा 156(3) सीआरपीसी के तहत दाखिल प्रार्थना पत्र को एससी/एसटी न्यायालय ने 21 अगस्त 2024 को खारिज कर दिया था। इसके बाद सिविल न्यायालय में दाखिल मूलवाद संख्या 611/2024 को भी 19 जनवरी 2026 को निरस्त कर दिया गया। इसके बावजूद विवाद खत्म नहीं हुआ और आरोप है कि 6 मार्च 2026 को करीब 11 बजे जब प्रार्थी अपनी जमीन पर पहुंचे, तो सभी आरोपियों ने उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षर कर तैयार किया गया फैसलानामा दिखाया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। प्रार्थी किसी तरह वहां से भागने में सफल हुआ, लेकिन आरोप है कि आरोपियों ने मोटरसाइकिल से उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर उसकी चलती स्कूटी में टक्कर मारकर गिरा दिया। गिरने के बाद सभी आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, स्कूटी में तोड़फोड़ की और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि घटना के बाद वह तत्काल थाने पहुंचा, लेकिन वहां उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक को भी रजिस्ट्री डाक के माध्यम से शिकायत भेजी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। आखिरकार न्यायालय की शरण में पहुंचे प्रार्थी की याचिका पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय, अमरोहा ने थाना डिडौली पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्मार्ट मीटर के बिलों से भड़कीं महिलाएं, हसनपुर-गजरौला मार्ग जाम कर जताया विरोध





दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। नगर में बुधवार को स्मार्ट मीटर से जुड़े बढ़े हुए बिजली बिलों के विरोध में महिलाओं का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। मोहल्ला हिरन वाला की दर्जनों महिलाओं ने बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए हसनपुर-गजरौला मार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना है कि इलाके में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद से बिजली के बिलों में अचानक कई गुना बढ़ोतरी हो गई है। उनका आरोप है कि बिजली की खपत पहले जैसी ही है, फिर भी बिल अत्यधिक आ रहे हैं, जिससे घरेलू बजट बिगड़ गया है। महंगाई के दौर में यह अतिरिक्त आर्थिक बोझ उनके लिए बड़ी परेशानी बन गया है। महिलाएं पहले विद्युत उपखंड कार्यालय पहुंचीं और अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर उन्होंने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को भीषण गर्मी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी समेत अन्य अधिकारियों ने महिलाओं को समझाकर शांत कराया और उनकी समस्याओं को संबंधित विभाग तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद जाम खुलवाकर यातायात बहाल कराया गया। प्रदर्शन में कलुआ प्रजापति, आसमा, प्रीति देवी, मूर्ति देवी और गेंदा देवी सहित कई महिलाएं शामिल रहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही स्मार्ट मीटर की जांच कर बिलों में सुधार नहीं किया गया तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगी। वहीं, विद्युत उपखंड अधिकारी मिथिलेश यादव ने बताया कि शिकायतों की जांच कराई जाएगी और नियमानुसार उचित कार्रवाई करते हुए जल्द समाधान किया जाएगा।

फरियादियों की भीड़, एसपी का सख्त रुख– समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश



पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की शिकायतें सुनते हुए

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, मारपीट, धोखाधड़ी सहित अन्य मामलों से संबंधित शिकायतें प्रस्तुत कीं। एसपी ने प्रत्येक शिकायतकर्ता की समस्या को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनता की शिकायतों का समयबद्ध समाधान पुलिस की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारियों व विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्राप्त प्रार्थना पत्रों की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही, शिकायतकताओं को कार्रवाई की प्रगति से अवगत कराने के भी निर्देश दिए गए, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई के दौरान एसपी ने पुलिस कर्मियों को जनता के साथ संवेदनशील व सम्मानजनक व्यवहार बनाए रखने की भी हिदायत दी। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास कायम करना अत्यंत आवश्यक है, तभी कानून-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बनाए रखा जा सकता है। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में फरियादी मौजूद रहे, जिन्होंने अपनी समस्याएं रखीं और समाधान की उम्मीद जताई।

रिकवरी वारंटी में फरार अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस ने न्यायालय में किया पेश



दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक रिकवरी वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक कुमार यादव के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में थाना डिडौली पुलिस टीम ने अभियान चलाकर अभियुक्त ब्रजपाल पुत्र धर्मा निवासी ग्राम हरीपुर मिलक थाना ऐचोडा कम्बोह जनपद सम्भल को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ मु0नं0 101/2013, अ0सं0 02/2003 धारा 399, 402, 307 भादवि से संबंधित मामले में वांछित चल रहा था और काफी समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय सीजेएम अमरोहा से वारंट जारी था, जिसके अनुपालन में यह गिरफ्तारी की गई। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को समय से न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया, जहां आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक विपिन कुमार, कांस्टेबल दिलशाद और कांस्टेबल दीपक कुमार शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई को फरार अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

हसनपुर में उमड़ा जनसैलाब, आंबेडकर के विचारों ने जगाई बदलाव की चिंगारी





दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। नगर के आंबेडकर पार्क में आयोजित भव्य विचार गोष्ठी में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों की गूंज देर तक सुनाई देती रही। कार्यक्रम में जनसैलाब उमड़ा और वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि समाज का वास्तविक नवनिर्माण तभी संभव है, जब बाबा साहब के सिद्धांतों को व्यवहार में उतारा जाए, न कि केवल औपचारिक आयोजनों तक सीमित रखा जाए। गोष्ठी का उद्देश्य वर्तमान समय में आंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता को रेखांकित करना और नई पीढ़ी को उनके संघर्षों से प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी, समाजसेवी, शिक्षक और आम नागरिक शामिल हुए, जिससे पूरे परिसर में सामाजिक जागरूकता का माहौल नजर आया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा नेता शीशराम सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के मार्गदर्शक थे। उन्होंने शिक्षा, समानता और न्याय के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहब के जीवन संघर्ष को पढ़ें और उनके मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें। मुख्य वक्ता वरिष्ठ समाजसेवी चन्द्रपाल सैनी ने बाबा साहब के प्रसिद्ध सूत्र– ह्यशिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करोह्न–की विस्तार से व्याख्या की। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह आधार है, जिससे किसी भी समाज का समग्र विकास संभव है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को प्रारंभ से ही महापुरुषों के विचारों से जोड़ें, ताकि उनमें जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित हो सके। युवा नेता विपिन कुमार सागर ने डॉ. भीमराव आंबेडकर को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का शिल्पकार बताते हुए कहा कि उनके द्वारा रचित संविधान ने समाज के वंचित वर्गों को सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार दिलाया। उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत की प्रगति का रास्ता अंबेडकर के समतावादी सिद्धांतों से होकर ही गुजरता है। अखिल भारतीय आंबेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने बालिका शिक्षा पर विशेष बल देते हुए कहा कि यदि बेटियां शिक्षित होंगी तो पूरा समाज प्रगति करेगा। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों को त्यागने और वैज्ञानिक सोच अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में विनोद कुमार गौतम, पाल सिंह, मुदित गुर्जर, डॉ. टीपी सिंह, जैनुल आबेदीन, हीरा सिंह, डॉ. नरेश कुमार, प्रो. ओंकार सिंह, इंजीनियर विजय प्रताप सिंह, डॉ. अफसर अली, रूबी कौसर, विशाल चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गोष्ठी की अध्यक्षता सेवानिवृत्त कानूनगो नन्हे सिंह आर्य ने की, जबकि संचालन विनोद कुमार गौतम एवं एडवोकेट चमनलाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का समापन बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

चोरी के खेल का अंत: दो शातिरों को 5-5 साल की सजा, पुलिस की पैरवी लाई रंग



दैनिक बुलंद मंज़िल/सर्वेश यादव

अमरोहा। जनपद में चोरी के मामले में पुलिस की प्रभावी पैरवी ने एक बार फिर न्याय दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। बुधवार को न्यायालय ने थाना सैदनगली में दर्ज चोरी से संबंधित मुकदमे में दो अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए कठोर सजा सुनाई। मामला मु0अ0सं0 191/2023 से जुड़ा है, जिसमें धारा 414, 467, 471 भादवि के तहत कार्रवाई की गई थी। इस प्रकरण में अभियुक्त अतीक पुत्र नसीर अहमद निवासी मोहल्ला पाकबाड़ा बस स्टैंड, थाना सैदनगली तथा सूफियान पुत्र महबूब हुसैन निवासी मोहल्ला लालबाग, रहरा चौक, थाना हसनपुर को न्यायालय ने दोषी पाया। सुनवाई के दौरान अमरोहा पुलिस द्वारा सशक्त साक्ष्य और प्रभावी पैरवी प्रस्तुत की गई, जिसके आधार पर न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को 5-5 वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई। साथ ही प्रत्येक पर 1,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। इस कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है और इसे अपराध पर लगाम लगाने की दिशा में एक मजबूत कदम बताया है। पुलिस की इस सक्रियता से आम जनता में सुरक्षा की भावना और मजबूत हुई है।

पॉक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त को डिडौली पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल डिडौली ब्यूरो। थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पॉक्सो एक्ट के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक कुमार यादव के मार्गदर्शन में की गई। थाना डिडौली प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 140/2026 धारा 64/351(2) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त किरनपाल पुत्र छत्रपाल निवासी ग्राम फत्तेहपुर थाना सैदनंगली जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त काफी समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने उसे दबोचने में सफलता हासिल की। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आगे की कार्रवाई की गई। इस अभियान में प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार, निरीक्षक जसवीर सिंह तथा कांस्टेबल मनोज कुमार की अहम भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।



हसनपुर पुलिस की सख्ती : वारंटी और झूठे मुकदमे का आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पहले मामले में थाना हसनपुर पुलिस ने वारंटी अभियुक्त भूरा पुत्र होराम निवासी ग्राम हथियाखेड़ा को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी परिवाद संख्या 1355/2022 धारा 323/504 भादवि से संबंधित है, जिसमें अभियुक्त की न्यायालय में पेशी 17 अप्रैल 2026 को निर्धारित थी। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं दूसरे मामले में पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो झूठा मुकदमा दर्ज कराने की मंशा से संज्ञेय अपराध की परिकल्पना कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आसिफ अली पुत्र सूखा निवासी ग्राम सब्दलपुर शुमाली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर उपजिलाधिकारी न्यायालय हसनपुर भेज दिया। यह पूरी कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुई। पुलिस की इस सक्रियता से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं आम जनता ने राहत की सांस ली है।



आपसी विवाद में युवक पर जानलेवा हमला, आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र में आपसी विवाद के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में घायल युवक की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मोहल्ला कोट पूर्वी कुम्हारान निवासी महेंद्र पुत्र काशीराम सोमवार को सैदनगली से हसनपुर लौट रहे थे। जैसे ही वह नगर के झकड़ी अड्डा चौराहे पर पहुंचे, वहां पहले से मौजूद मुबारकपुर कला निवासी मोहित पुत्र चंद्रभान ने उन्हें रोक लिया। पुरानी रंजिश को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर मोहित ने गाली-गलौज करते हुए महेंद्र पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में महेंद्र किसी तरह कोतवाली पहुंचे और पुलिस को लिखित शिकायत दी। पुलिस ने तत्काल उन्हें उपचार के लिए भेजा। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।



साजिश पर पुलिस की चोट : वारदात से पहले ही दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल रहरा। जनपद में चल रहे मिशन शक्ति फेस-5 अभियान के तहत रहरा थाना पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और उच्च अधिकारियों के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत पुलिस टीम ने संज्ञेय अपराध की योजना बना रहे दो युवकों को समय रहते गिरफ्तार कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रहरा पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ग्राम पथरा निवासी अमित पुत्र अतर सिंह और देवेंद्र पुत्र रामकिशोर को हिरासत में लिया। दोनों आरोपियों पर अपराध कारित करने की परिकल्पना रखने का आरोप है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को अंतर्गत धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत एसडीएम कोर्ट हसनपुर भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के मनोबल को तोड़ने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।



वारंट पर कार्रवाई : पेशी से पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

दैनिक बुलंद मंज़िल /जितेंद्र सिंह यादव अमरोहा। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना अमरोहा नगर पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में सक्रिय पुलिस टीम ने वारंटी अभियुक्त को समय रहते गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण में, क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक यादव व प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। थाना अमरोहा नगर पुलिस ने बुधवार को वारंटी अभियुक्त दुष्यन्त पुत्र नौबत सिंह निवासी ग्राम रामहट, थाना अमरोहा देहात को गिरफ्तार किया। आरोपी की न्यायालय में पेशी 4 मई 2026 को निर्धारित थी, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए अभियुक्त को न्यायालय, अमरोहा के समक्ष पेश कर दिया। पुलिस की इस तत्पर कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि वारंट जारी होने के बाद कानून से बच पाना आसान नहीं है और अमरोहा पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है।



हंसी-मजाक से भड़का विवाद, पड़ोसियों ने दामाद को पीटा

दैनिक बुलंद मंज़िल रहरा। आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव चकफैरी में एक शादी समारोह उस समय विवाद में बदल गया, जब हंसी-मजाक के बीच शुरू हुआ मामूली विवाद मारपीट तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार गांव निवासी देवी सहाय के घर उनके भाई की बेटी की शादी का कार्यक्रम चल रहा था, जिसमें परिवार के लोग और रिश्तेदार खुशी-खुशी शामिल हुए थे। इसी दौरान उनकी बेटी और दामाद सिपाही लाल भी समारोह में पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान कुछ परिजनों ने शराब का सेवन कर रखा था और आपस में हंसी-मजाक चल रही थी। इसी बीच पड़ोस के कुछ लोग अपने परिवार के साथ अचानक मौके पर पहुंचे और बिना किसी ठोस कारण के गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि उन्होंने शादी के माहौल पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ह्लतुम अपने घर में बिना मर्जी के कैसे हंस रहे होह्व। देखते ही देखते कहासुनी ने उग्र रूप ले लिया और आरोपियों ने दामाद सिपाही लाल के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिनमें खुली और अंदरूनी चोटें शामिल हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और परिजन किसी तरह घायल को बचाकर सुरक्षित स्थान पर ले गए। पीड़ित पक्ष ने घटना की तहरीर थाना आदमपुर में देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है।



बिना अनुमति के 97 सागौन के काटे पेड़, जिम्मेदार सोते रहे

दैनिक बुलंद मंज़िल डिडौली। थाना क्षेत्र के गांव हसनपुर कलां में बिना अनुमति सागौन के पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही वन विभाग में हड़कंप मच गया और विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। इस प्रकरण में वन विभाग जांच की बात कर रहा है। जानकारी के अनुसार गांव हसनपुर कलां में एक युवक द्वारा बिना किसी वैध अनुमति के लगभग 97 सागौन के पेड़ काट दिए गए। सागौन एक कीमती और संरक्षित वृक्ष माना जाता है, जिसकी अवैध कटाई पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है। स्थानीय लोगों के बीच इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है। वन दरोगा नेपाल सिंह ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है और इसकी गंभीरता को देखते हुए जांच कराई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिना अनुमति सागौन के पेड़ों की कटाई करना कानूनन अपराध है और दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण कर पेड़ों की संख्या और कटाई के हालात का आंकलन किया है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि पेड़ों की कटाई किस उद्देश्य से की गई और इसमें अन्य कोई व्यक्ति शामिल तो नहीं है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर अवैध कटान पर रोक लगाने के लिए सख्ती की जरूरत को उजागर कर दिया है।



राया में स्मार्ट मीटर के विरोध में उतरे उपभोक्ता, एसडीओ को सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

बुलंद मंजिल / इकलाख कुरैशी राया। कस्बा राया में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के दौरान आ रही समस्याओं को लेकर लोगों का आक्रोश बुधवार को खुलकर सामने आया। नाराज लोगों ने उपखंड कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक पाराशर ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बैलेंस समाप्त होते ही बिजली आपूर्ति तुरंत बंद कर दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल जमा करने के बावजूद उपभोक्ताओं को अतिरिक्त शुल्क जमा करने के बाद ही बिजली चालू कराई जाती है, जिसके लिए उन्हें बार-बार बिजली विभाग के चक्कर लगाने पड़ते हैं। यह स्थिति खासकर गरीब, मजदूर और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए काफी परेशान करने वाली बन गई है। इसके अलावा लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि कई जगह उपभोक्ताओं की सहमति के बिना ही जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। इन्हीं समस्याओं को लेकर क्षेत्रीय लोगों ने एकजुट होकर उपखंड कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया और उपखंड अधिकारी देवेंद्र तिवारी को ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की। इस संबंध में उपखंड अधिकारी ने आश्वासन दिया कि मामले को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान सभासद सरवन अहमद, राजकुमार उपमन्यु, चंद्रशेखर सिंह, विकास चौधरी, श्यामवीर चौधरी, शुभम गोयल, पुनीत चौबे, नितेश पाठक, संदीप शर्मा, अमित वर्मा, रिहान अली, हरिबाबू अग्रवाल, निखिल कंसल, मयूर वर्मा, भोलू रावत, अमित शर्मा और अरमान अली सहित कई लोग मौजूद रहे।



प्रकाश एकेडमी में अग्नि सुरक्षा कार्यशाला, छात्रों को सिखाए बचाव के तरीके-दमकल टीम ने लाइव डेमो से समझाई आग बुझाने की प्रक्रिया

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल हाथरस। सासनी आगरा-अलीगढ़ राजमार्ग स्थित प्रकाश एकेडमी में बुधवार सुबह उत्तर प्रदेश अग्निशमन विभाग के सहयोग से अग्नि सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फायर स्टेशन सासनी के प्रभारी पी.के. अल्वी के नेतृत्व में टीम ने छात्रों को आग से बचाव के महत्वपूर्ण उपाय बताए। कार्यशाला के दौरान अग्नि सुरक्षा सहायक लालाराम, अमित कुमार, नरेन्द्र कुमार, प्रभुदयाल सिंह और गौरव कुमार ने विद्यार्थियों को आग लगने की स्थिति में जान-माल की हानि को कम करने के तरीके समझाए। साथ ही अग्निशमन यंत्रों की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए लाइव प्रदर्शन कर आग बुझाने का तरीका भी बताया। कार्यक्रम में विद्यालय के 600 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों द्वारा बताए गए सुरक्षा उपायों को ध्यानपूर्वक समझा और व्यवहारिक जानकारी प्राप्त की। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील बाबू ने अग्निशमन विभाग की टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं बच्चों की सुरक्षा और जागरूकता के लिए बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में सहयोग जारी रखने की बात कही।
इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद रहे, जिनमें विकास कुमार, देवदत्त, निधि श्रोती, प्रतिभा शर्मा, शिखा अग्रवाल, हुमा, आरती शर्मा और शोभा शर्मा प्रमुख रूप से शामिल रहे।



अवैध रूप से संचालित विद्यालयों के खिलाफ एफआईआर के आदेश

संयुक्त जांच समिति के निरीक्षण में नंदगांव क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित विद्यालय पकड़ में आये

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल मथुरा। जनपद मथुरा में अनाधिकृत अमान्य विद्यालयों के संचालन एवं नियम विरुद्ध निजी कोचिंग की गतिविधियों पर अंकुश लगाये जाने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मथुरा द्वारा संयुक्त रुप से जांच समिति गठित की गयी। जिसके क्रम में 15 अप्रैल को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति, खण्ड शिक्षा अधिकारी गोवर्धन नरेन्द्र तंवर, खण्ड शिक्षा अधिकारी नन्दगांव दिनेश त्रिपाठी एवं जिला समन्वयक अतुल पाठक द्वारा संयुक्त रुप से विकास खण्ड गोवर्धन एवं नंदगांव में स्थित श्री बालाजी एजुकेशनल एकेडमी नगला देविया विकास खण्ड गोवर्धन, श्री कृष्ण गोपाल पब्लिक स्कूल, सौख विकासखंड गोवर्धन, आरएसबी पब्लिक स्कूल नाहरा (बन्द पाया गया) बरसाना विकास खण्ड नंदगांव एवं श्री बरसाना धाम गुरुकुलम यादव मोहल्ला बरसाना नंदगांव के विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। जिसमें उपरोक्त विद्यालय के अन्तर्गत बगैर मान्यता के विद्यालय संचालन एवं कक्षाओं के संचालन को तत्काल बन्द कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मथुरा द्वारा खण्ड शिक्षा अधिकारी गोवर्धन एवं नंदगांव को निर्देशित किया गया कि बगैर मान्यता के अवैध रुप से संचालित विद्यालयों एवं कक्षाओं को बंद कराये जाने के लिए संबंधित विद्यालयों के प्रबन्धक, प्रधानाध्यापकों को नोटिस निर्गत करते हुये अवैध रुप से संचालित विद्यालयों को तत्काल बन्द कराये जाने की कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगें। साथ ही जिन प्रबंधक, प्रधानाध्यापकों द्वारा अवैध संचालित विद्यालय, कक्षाओं को बन्द नहीं किया जा है. तो शासन विभागीय निदेर्शों के क्रम में निर्धारित जुमार्ना वसूल करते हुये, सम्बन्धित थानों सुसंगत धारों में प्राथमिकी दर्ज कराएगें।

मथुरा के मंच पर चमके अभावो के अंधरे से निकले सितारे

झुग्गी झोपड़ी के बच्चों को मुख्यधारा में लाना ही सच्ची राष्ट्र सेवाः डॉ. देवेंद्र शर्मा

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा। जिन मासूमो को पारिवारिक आर्थिक मजबूरी एवं जागरूकता के अभाव ने अशिक्षा के अंधेरे में धकेल दिया, आज उन हाथों में कलम और कला देखकर मन भावुक है। झुग्गी झोपड़ियों के इन बच्चों को संस्कारित कर समाज की मुख्यधारा में जोड़ना ही ईश्वर की सबसे बड़ी आराधना और वास्तविक राष्ट्र सेवा है। यह भावपूर्ण विचार उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र शर्मा एवं बी.एस.ए. इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरमैन व वरिष्ठ अधिवक्ता उमाशंकर अग्रवाल ने व्यक्त किए। इंटरनेशनल स्ट्रीट चिल्ड्रन डे के अवसर पर बी.एस.ए. इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल के 18वें



स्थापना दिवस एवं इंटरनेशनल स्ट्रीट चिल्ड्रन डे के अवसर पर दोनों अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। अतिथियों ने सतीश चंद्र शर्मा द्वारा पिछले 18 वर्षों से खुले आसमान के नीचे संचालित किए जा रहे शिक्षा के इस महायज्ञ की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि अभावों के बीच जी रहे सैकड़ों परिवारों के बच्चों को निरंतर शिक्षा संस्कार और नैतिक मूल्यों एवं समाज की मुख्यधारा से जोड़ना एक मिसाल है। दोनों अतिथियों ने मंच से संकल्प लिया कि इन बच्चों के भविष्य की राह में आने वाली हर बाधा को दूर करने के लिए वे व्यक्तिगत सामाजिक एवं प्रशासनिक स्तर पर हर संभव मदद करेंगे। साथ ही समाज से आह्वान किया कि यदि हम एक-एक बच्चे की जिम्मेदारी उठा लें, तो कोई भी बचपन मजदूरी की भेंट नहीं चढ़ेगा और शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। कार्यक्रम का जीवंत संचालन पुंडरीकक्ष पाठक ने किया। अंत में संस्था संचालक सतीश चंद्र शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार जताते हुए कहा, ष्हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक हर वंचित बच्चे के हाथ में कूड़े के थैले की जगह किताब नहीं आ जाती।

नाटक ने झकझोर दी अंतरात्मा

कार्यक्रम का सबसे मार्मिक क्षण वह था जब स्ट्रीट स्कूल के बच्चों ने श्बाल श्रम और शिक्षा के अधिकारश पर आधारित नाटक का मंचन किया। बच्चों ने जब अपनी पीड़ा को अभिनय के माध्यम से मंच पर उतारा, तो सभागार में मौजूद हर व्यक्ति की आँखें नम हो गईं। उनकी दर्जनभर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि प्रतिभा महलों की मोहताज नहीं होती, उसे बस एक अवसर और सही दिशा की तलाश है।

सेवा के साधकों का सम्मान

इस पुनीत कार्य में कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले प्रमुख समाजसेवियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में कपिल देव उपाध्याय, गीता यादव, अंजली चौहान, प्रतिभा शर्मा (अधिवक्ता), वंदना सक्सेना, श्वेता शर्मा, मंजू सिंह (अधिवक्ता), भागवताचार्य नंदकिशोर नंदू पांडे, सुजाता सिंह, कुमारी तनु चौहान, कुमकुम राजपूत, प्रीति राजपूत, भारती राजपूत, झलक चौहान, सीमा शर्मा, हरीश बाली, रविंद्र बंसल, राजेश मित्तल, जगत नारायण अग्रवाल और नितिन मोहन शर्मा सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे।

आधार के नाम पर डाकघर में अवैध वसूली का आरोप

नए आधार कार्ड के लिए 100 से 200, मोबाइल नम्बर अपडेट कराने के नाम पर ऐंठे जा रहे 150 रुपए

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल



मथुरा । वृंदावन- चुंगी चौराहा के पास प्रधान डाकघर में इन दिनों आधार कार्ड बनवाने और अपडेट कराने के नाम पर अवैध वसूली का काला खेल धड़ल्ले से चल रहा है। आरोप है कि यहाँ आने वाले सीधे-सादे लोगों से नए आधार कार्ड और मोबाइल नंबर लिंक कराने के नाम पर निर्धारित शुल्क से कई गुना अधिक रकम वसूली जा रही है। बतादें की नया आधार कार्ड सरकारी नियमानुसार पूरी तरह निःशुल्क बनता है, उसके लिए 100 से 200 रुपये तक ऐंठे जा रहे हैं। वहीं, आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अपडेट कराने के नाम पर, जिसका निर्धारित शुल्क मात्र 75 रुपये है, उपभोक्ताओं से 100 से 150 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। लोगों का आरोप है कि डाकघर के कुछ कर्मचारियों और बाहरी जनसेवा केंद्र संचालकों के बीच गहरी सांठगांठ से ये काला कारोबार चल रहा है। इतना ही नही डाकघर परिसर में सक्रिय बिचौलिए लाइन में लगने से बचाने और काम जल्दी कराने का झांसा देकर लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहे हैं। दूर-दराज से आने वाले लोग नियमों की जानकारी के अभाव तथा मजबूरी में इन अवैध शुल्कों का भुगतान करने को मजबूर हैं। ?बुधवार शाम करीब 4 बजे आधार कार्ड में मोबाइल नम्बर अपडेट कराने आई महिला ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उससे मोबाइल नम्बर दर्ज कराने के नाम पर 150 रु शुल्क अवैध रूप से वसूला गया। भ्रष्टाचार के आरोपों पर उप डाकपाल केके उपाध्याय ने कहा कि नया आधार कार्ड बनाना पूरी तरह निःशुल्क है। यदि कोई कर्मचारी या बाहरी व्यक्ति अपडेट के निर्धारित चार्ज से एक भी रुपया ज्यादा मांगता है, तो उपभोक्ता तुरंत उनसे लिखित शिकायत करें। शिकायत की पुष्टि होने पर संबंधित व्यक्ति पर भारी जुमार्ना लगाया जाएगा और उसे तत्काल पद से हटाने की विभागीय कार्रवाई की जाएगी

बाइक फिसलने से दो युवक गंभीर घायल, हालत नाजुक होने पर रेफर

दैनिक बुलंद मंज़िल



आदमपुर। रहरा थाना क्षेत्र के गांव चचौरा निवासी दो युवकों के साथ बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव चचौरा निवासी महेश और हीरालाल किसी जरूरी कार्य से दढ़ियाल चौराहा गए हुए थे। काम निपटाने के बाद दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर अपने गांव वापस लौट रहे थे। जब उनकी बाइक चचौरा अड्डे के पास पहुंची, तभी अचानक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। बाइक के फिसलते ही दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना अचानक हुआ कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। गिरने के दौरान दोनों को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को संभालने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। कुछ ही देर में एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रहरा ले जाया गया। सीएचसी में तैनात डॉक्टरों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया। रहरा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार प्रधान ने बताया एक्सीडेंट की सूचना थाने पर प्राप्त नहीं हुई है अगर सूचना प्राप्त होती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी

खेत में भीषण आग, छह बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

रात में उठीं लपटें, दमकल और ग्रामीणों ने पाया काबू



अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी क्षेत्र के गांव खिटौली में मंगलवार देर रात अज्ञात कारणों से एक किसान के खेत में रखी कटी गेहूं की फसल में भीषण आग लग गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे करीब छह बीघा फसल जलकर राख हो गई। खिटौली निवासी किसान भोजराज पुत्र गणपत सिंह ने गेहूं की फसल काटकर खेत में ही एकत्रित कर रखी थी। मंगलवार रात करीब साढ़े दस बजे अचानक फसल के ढेर से लपटें उठने लगीं। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पीआरवी 7908 और कोतवाली पुलिस के साथ दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। ग्रामीणों और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरी फसल जल चुकी थी। पीड़ित किसान भोजराज ने बताया कि आग से उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और साल भर की मेहनत पल भर में नष्ट हो गई। प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी है।

एसपी ने जनसुनवाई में सुनीं लोगों की समस्याएं,शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

पुलिस कार्यालय में आमजन की समस्याओं पर हुई जनसुनवाई



अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। चिरंजीव नाथ सिन्हा ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान फरियादियों ने अपनी-अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का विधिक एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को त्वरित न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करना है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एडिशनल एसपी रामपुर द्वारा पुलिस पेंशनर्स के साथ की गई गोष्ठी



बुलंद मंजिल/ विनोद गुप्ता

रामपुर । बुधवार को रामपुर एडिशनल एसपी अनुराग सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन, रामपुर के सभागार कक्ष में पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया । गोष्ठी के दौरान उपस्थित पुलिस पेंशनर्स की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उनके सुझावों को संज्ञान में लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । गोष्ठी के उपरान्त दिवंगत पुलिस पेंशनर्स को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मौन धारण कर नमन किया गया ।

समस्याओं के समाधान न होने पर लेखपालों का विरोध, अतिरिक्त क्षेत्रों का बस्ता जमा कर जताया रोष

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल



हाथरस। सासनी उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर तहसील सासनी के लेखपालों ने बुधवार को अपनी लंबित समस्याओं के विरोध में अतिरिक्त क्षेत्रों का कार्य (बस्ता) भूलेख कार्यालय में जमा कर दिया। इसे आंदोलन के प्रथम चरण के रूप में देखा जा रहा है। लेखपालों का कहना है कि लंबे समय से उनकी विभिन्न विभागीय समस्याएं लंबित हैं, लेकिन बार-बार मांग उठाने के बावजूद कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। इसी के चलते संघ के निदेर्शानुसार उन्होंने अतिरिक्त हल्कों का प्रभार छोड़ते हुए संबंधित अभिलेख तहसील कार्यालय में जमा कर दिए। संघ ने स्पष्ट किया कि इस कार्य बहिष्कार के कारण यदि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा होती है, तो इसके लिए शासन और प्रशासन पूरी तरह जिम्मेदार होगा। लेखपाल संघ द्वारा जारी पत्र के अनुसार, यह निर्णय जिला कार्यकारिणी के निर्देश पर लिया गया है। लेखपालों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। इस दौरान तहसील परिसर में बड़ी संख्या में लेखपाल मौजूद रहे। इनमें तहसील अध्यक्ष अरविन्द कुमार सेंगर, जिला उपाध्यक्ष गौरव चौधरी के साथ बलवीर सिंह, मोहसीन खान, विवेक वार्ष्णेय, सचिन पुण्डीर, धर्मवीर चौधरी, सचिन शर्मा, कु. राखी और कु. वर्षा सहित अन्य लेखपाल शामिल रहे।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से युवक की मौत,देर रात स्टेशन रोड पर हुआ दर्दनाक हादसा

अविवाहित युवक की मौत से गांव में शोक की लहर



अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी कोतवाली क्षेत्र में देर रात एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा बसई काजी गांव के समीप स्टेशन रोड पर हुआ, जिससे क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बसई काजी निवासी 32 वर्षीय नीरज पुत्र दिनेश चंद्र शर्मा बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नीरज की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एनएचएआई की एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। वहीं, हादसे की खबर मिलते ही परिजन भी बदहवास हालत में घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, नीरज अविवाहित था और खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत की हुई मासिक पंचायत

बुलंद मंजिल/ विनोद गुप्ता



शाहबाद रामपुर। बुधवार को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में की गई शाहाबाद किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर उप जिलाधिकारी शाहबाद को सूत्रीय ज्ञापन सोपा गया जिसमे पहला राणा शुगर मिल द्वारा किसानों का भुगतान नहीं किया गया है यह जल्द भुगतान किया जाए दूसरा राणा शुगर मिल द्वारा किसानों का गन्ना बीज के नाम पर शोषण किया जा रहा है 700 प्रति कुंतल तक किसानों को बीज दिया जा रहा है वह इस पर रोक लगाई जाए
3= विद्युत विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर के नाम पर किसानों का शोषण किया जा रहा है यह बंद किया जाए 10000 से नीचे के बिल बकाया पर विद्युत कनेक्शन ना काटा जाए
4= शाहबाद तहसील में लेखपालों द्वारा खसरा या अंश सही करने के नाम पर किसानों का शोषण किया जा रहा है वह बंद किया जाए
5= शाहाबाद प्रशासन द्वारा जो किसानों पर फर्जी मुकदमे लगाए जा रहे हैं वह बंद किए जाएं
6= तहसील शाहाबाद में सभी क्रय केंद्र को चालू किया जाए जिससे कि किसान अपना गेहूं समय से क्रय केंद्र पर तुलवा सके
7= तहसील शाहाबाद सेफनी के सभी अल्ट्रासाउंड सेंटरों की जांच की जाए और जो भी फर्जी अल्ट्रासाउंड सेंटर है उन्हें बंद किया जाए जिससे कि किसानों के साथ कोई खिलवाड़ ना हो इस मौके तहसील अध्यक्ष चौधरी सुंदर पाल सिंह , ब्लॉक अध्यक्ष खुशीराम यादव , प्रमुख सचिव पश्चिमी उत्तर प्रदेश सुनील कुमार सिंह युवा जिला अध्यक्ष रंजीत यादवमंडल सचिव बिलाल अहमद मंडल उपाध्यक्ष मीनू यादव प्रेमपाल सिंह प्रजापति अभिनव चौधरी गुफरान पाशा बाकर तुर्की युवा जिला अध्यक्ष नरेंद्र यादव युवा ब्लॉक अध्यक्ष राजवीर सिंह यादव जिला सचिव नावेद खान महावीर सिंह प्रधान जी जगतपाल सिंह शंकर सिंह ओम प्रकाश सिंह तेजपाल सिंह जोगेंद्र सिंह गुफरान खान नन्नू सिंह सोनू सिंह आदि मौजूद रहे।

अंबेडकर जयंती पर खंदारी गढ़ी में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

कांग्रेस शहर अध्यक्ष योगेश कुमार ओके ने किया नमन





अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव पर 14 अप्रैल को खंदारी गढ़ी स्थित अंबेडकर पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस शहर अध्यक्ष योगेश कुमार ओके ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, समानता और अधिकारों की प्रेरणा देता है, जिसे हर पीढ़ी को अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कोषाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, कार्यालय प्रभारी मुकेश कुमार सिंह, कार्यालय सचिव रोहित सिंह, शहर महासचिव योगेश बाबू, जुनैद खान, सरताज खान, संजीत कुमार, सचिव राजकुमार और दीपक चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में सभी ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने और समाज में समानता, शिक्षा व न्याय के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

सीएचसी स्योहारा का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं : ड्रेस कोड व बायोमेट्रिक पर सख्ती के निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल /मौहम्मद फैजान

स्योहारा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. राहुल ने बुधवार, 15 अप्रैल 2026 को दोपहर लगभग 1:30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ड्यूटी पर मरीजों का उपचार करते हुए पाए गए तथा समस्त स्टाफ उपस्थित मिला। निरीक्षण के दौरान डॉ. राहुल ने वार्ड में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही इमरजेंसी, दवा स्टोर, ऑपरेशन थिएटर (ओटी) और कोल्ड चैन का भी निरीक्षण किया, जहां सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। उप मुख्य



चिकित्सा अधिकारी ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी ड्रेस कोड का पालन नहीं करेंगे, उनकी वेतन रोक दी जाएगी। साथ ही सभी कर्मचारियों की बायोमेट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य कर प्रतिदिन उसका विवरण जिला स्तर पर भेजने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों को समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। इमरजेंसी सेवाएं मजबूत रहें और ओपीडी में आने वाले मरीजों को निःशुल्क दवाएं व आवश्यक जांचें उपलब्ध कराई जाएं। बाहर से दवाएं लिखने पर सख्त रोक लगाने के निर्देश भी दिए गए। हीट वेव को देखते हुए अस्पताल की तैयारियों का भी जायजा लिया गया। सीएचसी में 4 बेड हीट वेव के लिए आरक्षित पाए गए तथा आवश्यक दवाएं व लॉजिस्टिक उपलब्ध मिले। कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने और जागरूकता सामग्री के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए। डॉ. राहुल ने निर्देशित किया कि गांव स्तर पर नियमित हेल्थ कैंप आयोजित किए जाएं तथा सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर नियमित रूप से संचालित हों। सीएचओ द्वारा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं, जांच व दवाएं उपलब्ध कराई जाएं और टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ परामर्श भी दिया जाए। इसके साथ ही प्रतिदिन शाम 3 बजे जूम के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित करने, आभा आईडी व आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाने पर विशेष जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी कर्मचारी बिना अवकाश के अनुपस्थित न रहे, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में सभी अवकाश शासन स्तर से निरस्त किए गए हैं, जिनका पालन अनिवार्य है। इस अवसर पर अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने सीएचसी की रंगाई-पुताई, विद्युत वायरिंग एवं डॉक्टर, स्टाफ नर्स, सफाईकर्मी व अन्य कर्मचारियों की कमी को लेकर मांग रखी, जिस पर डॉ. राहुल ने विचार करने का आश्वासन दिया।निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे, जिनमें हेल्थ सुपरवाइजर, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स, वार्ड बॉय सहित अन्य स्टाफ शामिल रहा।

स्मार्ट मीटर के विरोध में डी.के. फाउंडेशन का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुलंद मंजिल
फहीम अख्तर

बिजनौर। जिला मुख्यालय पर स्मार्ट मीटर के खिलाफ लोगों का गुस्सा एक बार फिर सड़कों पर नजर आया। बुधवार को डी.के. फाउंडेशन ऑफ फ्रीडम एंड जस्टिस के नेतृत्व में दर्जनों लोगों ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व संगठन के नेशनल डिप्टी चीफ रिपोर्टिंग ऑफिसर मुस्तकीम अहमद ने किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में लगाए गए स्मार्ट मीटरों में लागू प्रीपेड व्यवस्था का कड़ा विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि प्रीपेड प्रणाली आम जनता, खासकर गरीब, मजदूर और मध्यम वर्ग के लिए गंभीर समस्या बन गई है। उन्होंने कहा



कि क्षेत्र का एक बड़ा वर्ग दैनिक मजदूरी और छोटे रोजगार पर निर्भर है, ऐसे में पहले से बिजली के लिए भुगतान करना उनके लिए बेहद कठिन है। उन्होंने बताया कि कई मामलों में मात्र 500 रुपये या उससे कम बैलेंस होने पर बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली आपूर्ति काट दी जाती है, जिससे परिवारों को अंधेरे में रहने को मजबूर होना पड़ता है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों की पढ़ाई और बुजुर्गों की देखभाल पर पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने इस व्यवस्था को जनविरोधी बताते हुए सरकार से तत्काल प्रीपेड सिस्टम समाप्त कर पोस्टपेड व्यवस्था बहाल करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

बेटी को न्याय दो के नारों से गूंजा चांदपुर : क्षत्रिय समाज की महापंचायत, उक्ळ जांच की मांग, आंदोलन की चेतावनी

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर क्षेत्र के मुरली गार्डन, धूंधली में क्षत्रिय समाज की एक विशाल और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें एक क्षत्रिय परिवार की बेटी के साथ हुई घटना को लेकर जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। बैठक महाराज मुकट सिंह शेखावत के तत्वावधान में संपन्न हुई, जिसमें समाज के करीब 200 परिवारों ने भाग लेकर एकजुटता का परिचय दिया। बैठक की अध्यक्षता राजकुमार सिंह चौहान ने की। इस दौरान वक्ताओं ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि अब तक की गई कार्रवाई पूरी तरह एकतरफा प्रतीत होती है, जिससे न्याय की उम्मीद कमजोर पड़ रही है। उन्होंने



स्पष्ट कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी जांच बेहद जरूरी है। समाज के वरिष्ठ सदस्य जितेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मामले की जांच क्राइम ब्रांच और सीआईडी से कराने की मांग उठाई गई। वक्ताओं का कहना था कि स्थानीय स्तर पर हो रही जांच पर भरोसा नहीं रह गया है, इसलिए उच्च स्तरीय जांच एजेंसी ही सच्चाई सामने ला सकती है। बैठक में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और भ्रामक टिप्पणियां करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की गई। समाज के लोगों ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां माहौल को बिगाड़ने का काम कर रही हैं, जिन पर तुरंत एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। इसके अलावा, पुलिस द्वारा कथित रूप से निर्दोष लोगों की गिरफ्तारी पर भी कड़ा विरोध जताया गया। समाज ने मांग की कि जिन लोगों का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें तत्काल रिहा किया जाए और असली दोषियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। बैठक में साफ शब्दों में चेतावनी दी गई कि यदि प्रशासन जल्द ही ठोस और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करता, तो क्षत्रिय समाज बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा। वक्ताओं ने कहा कि इस आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अंत में समाज के लोगों ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सामाजिक और आर्थिक सहयोग देने का भरोसा दिलाया और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

खराब प्रदर्शन पर डीएम सख्त, कई विभागों को कारण बताओ नोटिस

दैनिक बुलंद मंज़िल/उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों पर कड़ा रुख अपनाया गया। मुख्य विकास अधिकारी रण विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जनवरी, फरवरी और मार्च 2026 की रैंकिंग की समीक्षा के बाद संबंधित अधिकारियों को ह्यकारण बताओह्ण नोटिस जारी किए हैं। सीडीओ ने बताया कि जननी सुरक्षा योजना (खर) में जनपद को प्रदेश में 28वीं रैंक के साथ ह्यउ्ह्ण ग्रेड मिला है। समीक्षा में सामने आया कि 20,760 संस्थागत प्रसवों के



मुकाबले केवल 30.18 प्रतिशत लाभार्थियों को ही भुगतान किया गया। इस पर मुख्य चिकित्साधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में फरवरी और मार्च माह में लगातार ह्यउ्ह्ण ग्रेड मिलने तथा प्रदेश स्तर पर 68वीं रैंक प्राप्त होने पर परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण को नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में ह्यउ्ह्ण ग्रेड और वृद्धावस्था पेंशन योजना की प्रगति गिरकर ह्यउ्ह्ण ग्रेड होने पर जिला समाज कल्याण अधिकारी से जवाब-तलब किया गया है। पंचायती राज विभाग के अंतर्गत 15वें वित्त आयोग (ग्राम पंचायत) योजना में ग्रेड मिलने पर जिला पंचायतराज अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं पोषण अभियान (कळऊ) में लगातार तीन माह से ह्यउ्ह्ण ग्रेड मिलने और सेतु निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग को भी कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। सीडीओ रण विजय सिंह ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकताओं और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि तीन दिन के भीतर साक्ष्यों सहित संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि और विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु शासन को संस्तुति भेजी जाएगी।

नगीना में अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह के तहत जागरूकता अभियान,छात्रों ने लिया बढ़ चढ़कर हिस्सा





दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। फायर स्टेशन द्वारा क्षेत्र के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत आग से बचाव एवं आग बुझाने के संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।इस दौरान अग्निशमन विभाग की टीम ने विद्यालयों में पहुंचकर छात्रों को आग लगने के कारण,उससे बचाव के उपाय तथा आपात स्थिति में किए जाने वाले आवश्यक कार्यों की जानकारी दी।साथ ही आग बुझाने के उपकरणों के सही उपयोग का प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।अभियान के अंतर्गत इस वर्ष की थीम सेफ स्कूल, सेफ हॉस्पिटल,फायर सेफ्टी,सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज आग की रोकथाम के लिए एक साथ के संबंध में विभिन्न विद्यालयों में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया।प्रतियोगिताओं में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अग्नि सुरक्षा से जुड़े विषयों पर अपने विचार और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य बच्चों व समाज में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है,जिससे दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम किया जा सके।

केक काटकर मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती, ग्रामीणों ने साझा की खुशियां

दैनिक बुलंद मंजिल गुलफाम राजा

नूरपुर। ग्राम बेड़ा खुर्द स्थित रविदास धर्मशाला में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी एवं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम विचार मंच उत्तराखंड के प्रदेश महासचिव मोहम्मद आफताब प्रधान उपस्थित रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद केक काटकर तथा मिठाइयां वितरित कर ग्रामीणों के साथ खुशियां साझा की गईं।अपने संबोधन में मोहम्मद आफताब प्रधान ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज को समानता, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उनका जीवन संघर्ष और सफलता का प्रतीक है, जिससे प्रेरणा लेकर समाज को आगे बढ़ाना चाहिए।इस दौरान कमेटी अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, रवि, दयाराम सिंह, टीटी मास्टर रामकरण सिंह, फतेह प्रमुख जयदेव सिंह, राजेश सिंह, योगेंद्र कुमार, बाबूराम, आसिफ अली, शान-ए-आलम, अनुज कुमार, मोहित कुमार, साजिद, गामा, आलमगीर, ब्रह्म स्वरूप,



अरमान अली, राजकुमार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने और समाज में भाईचारा व समानता बनाए रखने का संकल्प लिया।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर चंद्रपुरकलां गाँव में भाजपा कार्यकताओं ने मनाई खुशी



दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। बिहार में भाजपा नेता सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की खुशी में बुधवार को क्षेत्र के चंद्रपुरकलां गांव में भाजपा कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। गांव में प्रधानपति डॉ. राजेश सैनी के आवास पर कार्यकर्ता एकत्र हुए और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उपस्थित लोगों ने इस निर्णय को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए खुशी जाहिर की। इस दौरान कार्यक्रम में डॉ. नीरज सैनी, बृजपाल सैनी, अतर सिंह पाल, लोकेश सैनी, बबलू सैनी, पप्पू सैनी, चंद्रपाल सैनी, डॉ. राजवीर सिंह उर्फ राजेश सैनी, सतवीर सैनी व धर्मेंद्र सैनी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ नगरपालिका का अभियान, 32 किलो पॉलिथीन जब्त, 4000 रुपये जुमार्ना वसूला

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

स्योहारा। नगरपालिका प्रशासन द्वारा शहर के मुख्य बाजारों और प्रमुख चौराहों पर प्रतिबंधित पॉलीथिन के उपयोग के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने विभिन्न दुकानों और ठेलों की जांच की, जहां नियमों का उल्लंघन करते हुए पॉलीथिन का उपयोग पाया गया। अभियान के तहत कुल 32 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों से 4000 रुपये का जुमार्ना भी वसूला गया। पालिका ईओ विजेंद्र सिंह पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि





शासन के निदेशों के अनुसार पॉलीथिन पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है, लेकिन इसके बावजूद कुछ दुकानदार नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगरपालिका की टीम लगातार अभियान चलाकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आमजन और व्यापारियों से अपील की कि वे प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग न करें और कपड़े या कागज के थैलों का प्रयोग करें, ताकि पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। इस मौके पर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में भी यह अभियान जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भीषण अग्निकांड,वन गुज्जर परिवार का डेरा जलकर खाक,लाखों का नुकसान

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

बढ़ापुर। ग्राम पंचायत रामजीवाला के अंतर्गत खोबड़ा क्षेत्र के जंगल किनारे डेरा डालकर रह रहे वन गुज्जर परिवार के डेरे में बुधवार दोपहर बाद अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते उसने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा डेरा जलकर राख हो गया।ग्राम प्रधान मौ.अख्तर और वन गुज्जर शमशाद के अनुसार,जंगल किनारे ताज मोहम्मद और रफी पुत्र शमशाद के रिहायशी डेरे व पशुशाला बनी हुई थी, जिसमें उनका





परिवार, पालतू पशु और रोजमर्रा का सामान रखा हुआ था।बुधवार को करीब चार बजे अचानक डेरे में आग लग गई।आग लगते ही डेरे में मौजूद परिजनों में अफरा तफरी मच गई। उन्होंने किसी तरह अपनी और पशुओं की जान बचाई तथा पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया,लेकिन आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में पूरे डेरे और पशुशाला को अपनी चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड में कपड़े, बिस्तर,बर्तन,नकदी और राशन सहित लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।घटना की सूचना प्रशासन को दे दी गई है। समाचार लिखे जाने तक नुकसान का आकलन किया जा रहा था।

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
गुरूवार, 16 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

चांदपुर में नारी शक्ति का जोरदार प्रदर्शन : गुलाब सिंह पीजी कॉलेज की छात्राओं ने बनाई मानव श्रृंखला, निकाली पदयात्रा

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत



चांदपुर। चांदपुर स्याऊ स्थित गुलाब सिंह (पी.जी.) कॉलेज में ह्यनारी शक्ति वंदन अभियानह्ल के तहत एक भव्य और जागरूकता से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समाज में महिलाओं की भागीदारी, उनके अधिकारों और सशक्तिकरण को लेकर जोरदार संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. अशोक कुमार द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण केवल नीतियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के हर स्तर पर इसका प्रभाव दिखाई देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे समाज की सोच में बदलाव लाने के लिए आगे आएं और महिला सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाएं। अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर से मुख्य मार्ग तक सैकड़ों छात्राओं ने एक विशाल मानव श्रृंखला बनाकर ह्यनारी शक्ति-राष्ट्र शक्तिह्ल के नारे लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इसके बाद एक जागरूकता पदयात्रा निकाली गई, जो महाविद्यालय से प्रारंभ होकर चौधरी चरण सिंह चौक, रोडवेज बस अड्डा और रेलवे स्टेशन से होते हुए वापस कॉलेज परिसर पहुंची। पदयात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने नारों और संदेशों के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार की महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई। चौधरी चरण सिंह चौक पर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, जिसमें ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्ल के महत्व को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने केंद्र सरकार द्वारा जारी विशेष नंबर पर मिस्ड कॉल कर अधिनियम के समर्थन में अपना डिजिटल समर्थन भी दर्ज कराया। इस पहल के जरिए छात्र-छात्राओं ने समाज में महिलाओं की समान भागीदारी और अधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. मीनाक्षी चौहान, डॉ. संतोष देवी, डॉ. उदिता राजपूत सहित महाविद्यालय के शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस आयोजन ने न केवल छात्रों में जागरूकता बढ़ाई, बल्कि समाज को भी एक सकारात्मक संदेश दिया कि महिला सशक्तिकरण ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है।

चांदपुर में गूंजा नारी शक्ति का संदेश : हेजलमून स्कूल में महिला आरक्षण के समर्थन में भव्य सभा

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत





चांदपुर। चांदपुर स्थित द हेजलमून स्कूल में ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्ल के समर्थन में एक भव्य एवं प्रेरणादायक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के अधिकार, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को लेकर जोरदार संदेश दिया गया। सभा का मुख्य विषय ह्यनारी अब निर्णयकर्ताः सशक्त भारत की ओर ऐतिहासिक कदमह्ल रहा, जिसने उपस्थित सभी लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती शक्ति अनिरुद्ध मित्तल के संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में उठाया गया यह कदम उनके सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और न्याय जैसे क्षेत्रों में बेहतर और संतुलित नीतियों का निर्माण संभव होगा। सभा में उपस्थित भाजपा जिला मंत्री केशव चौधरी, नगर अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, जलीलपुर मंडल अध्यक्षा मीनू राजपूत सहित अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए इस अधिनियम की सराहना की। उन्होंने इसे महिलाओं को समान अधिकार और अवसर प्रदान करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। विद्यालय के संस्थापक अरविंद कुमार गुप्ता एवं अनिल गुप्ता की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में एक विशेष ह्यहस्ताक्षर दीवारह्ल भी बनाई गई, जहां छात्राओं और महिला स्टाफ ने हस्ताक्षर कर नारी सशक्तिकरण के प्रति अपना समर्थन जताया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती गरिमा सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को समाज और राष्ट्र के निर्माण में और अधिक सशक्त भूमिका निभाने का अवसर देगा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुट होकर नारी सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल जागरूकता का माध्यम बना, बल्कि समाज में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित हुआ।

भाई के लिए जान की बाजी : गुलदार से भिड़ा युवक, दोनों भाई लहूलुहान : गांव में दहशत का माहौल

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत





चांदपुर। हीमपुर दीपा। थाना हीपुर दीपा क्षेत्र के गांव अजूपुरा जट में मंगलवार को एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई, जहां एक युवक ने अपने भाई की जान बचाने के लिए खूंखार गुलदार से सीधी टक्कर ले ली। इस दिलेरी भरे संघर्ष में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे पूरे इलाके में सनसनी और भय का माहौल व्याप्त हो गया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 11 बजे गांव निवासी मुनीश अपने गन्ने के खेत में काम कर रहा था। तभी अचानक खेत में छिपे गुलदार ने उस पर हमला बोल दिया। गुलदार के अचानक हमले से मुनीश संभल भी नहीं पाया और गंभीर रूप से घायल हो गया। मुनीश की चीख-पुकार सुनकर पास में काम कर रहा उसका चचेरा भाई संदीप मौके पर दौड़ा चला आया। हालात की गंभीरता को देखते हुए उसने बिना अपनी जान की परवाह किए दराती उठाई और सीधे गुलदार से भिड़ गया। कुछ देर तक चली इस जानलेवा मुठभेड़ में संदीप भी घायल हो गया, लेकिन उसकी बहादुरी के चलते गुलदार पीछे हटने को मजबूर हो गया। इस बीच शोर सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए। भीड़ को आता देख गुलदार गन्ने के खेतों की ओर भाग निकला। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग को सूचना देने के बावजूद टीम समय पर मौके पर नहीं पहुंची, जिससे लोगों में भारी रोष है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बिजनौर जिले में गुलदार का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में गुलदार के हमलों में 36 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बावजूद इसके अब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। वन विभाग का कहना है कि गुलदार की सूचना मिलने पर प्रभावित क्षेत्रों में पिंजरे लगाए जाते हैं और लोगों को जागरूक किया जाता है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि ये प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द गुलदार को पकड़कर क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जाए, ताकि लोग भयमुक्त होकर अपने खेतों और दैनिक कार्यों में जुट सकें। फिलहाल, इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में वन्यजीवों के बढ़ते खतरे को उजागर कर दिया है।

चांदपुर में अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह का दमदार आगाज : स्कूलों में जागरूकता अभियान, छात्रों ने सीखी आग से लड़ने की तकनीक

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत



चांदपुर । चांदपुर क्षेत्र में अग्निशमन विभाग द्वारा ह्यअग्निशमन सुरक्षा सप्ताहह्ल के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी डॉ. राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशन में प्रभारी अग्निशमन केंद्र चांदपुर सुभाष चंद के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों को आग से बचाव और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम ह्यसुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज झ आग की रोकथाम के लिए एक साथह्ल थीम पर आधारित रहा। इस दौरान चांदपुर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अग्नि सुरक्षा से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मकता दिखाई। अग्निशमन विभाग की टीम ने छात्रों को आग लगने के संभावित कारणों, उससे बचने के उपायों और आपातकालीन स्थिति में अपनाए जाने वाले जरूरी कदमों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा वह रहा जब छात्रों को अग्निशमन उपकरणों को चलाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान बच्चों ने खुद फायर एक्सटिंग्विशर का उपयोग करना सीखा, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा। अधिकारियों ने छात्रों को यह भी बताया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय संयम से काम लेते हुए तुरंत फायर सर्विस को सूचना दें और आसपास के लोगों को सतर्क करें। साथ ही, विद्यालयों में अग्नि सुरक्षा से संबंधित जागरूकता पम्पलेट भी वितरित किए गए। यह जागरूकता कार्यक्रम वैदिक कन्या इंटर कॉलेज, हिंदू इंटर कॉलेज और रहमानिया गर्ल्स इंटर कॉलेज में आयोजित किया गया, जहां छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अग्निशमन विभाग की इस पहल को विद्यालय प्रशासन और अभिभावकों ने सराहते हुए इसे जनहित में अत्यंत उपयोगी बताया। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और भविष्य में दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा।

खराब रैंकिंग पर एक्शन मोड में सीडीओ, कई विभागों को थमाए नोटिस

दैनिक बुलंद मंजिल
फहीम अख्तर

बिजनौर। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड रैंकिंग में जिले के खराब प्रदर्शन पर मुख्य विकास अधिकारी रण विजय सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। जनवरी, फरवरी और मार्च 2026 की रैंकिंग की समीक्षा के बाद कई विभागों की लापरवाही सामने आने पर संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के भीतर साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण मांगा गया है। सीडीओ ने बताया कि जननी सुरक्षा योजना में जनपद को प्रदेश में 28वीं रैंक के साथ सी ग्रेड मिला है। समीक्षा में पाया गया कि 20,760 संस्थागत प्रसवों के सापेक्ष मात्र 30.18 प्रतिशत लाभार्थियों को ही भुगतान किया गया, जिस पर मुख्य चिकित्साधिकारी से जवाब तलब किया गया है। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में लगातार खराब प्रदर्शन करते हुए फरवरी और मार्च में डी ग्रेड मिलने तथा प्रदेश स्तर पर 68वीं रैंक आने पर परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण को नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में डी ग्रेड और वृद्धावस्था पेंशन योजना की प्रगति भी गिरकर सी ग्रेड पर पहुंच गई है, जिस पर जिला समाज कल्याण अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं पंचायती राज विभाग की 15वें वित्त आयोग (ग्राम पंचायत) योजना में सी ग्रेड मिलने पर जिला पंचायतराज अधिकारी से जवाब-तलब किया गया है। पोषण अभियान में लगातार तीन माह से सी ग्रेड मिलने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी और सेतु निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सीडीओ रण विजय सिंह ने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्यों और शासन की प्राथमिकताओं के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तीन दिन के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि और विभागीय कार्रवाई के लिए शासन को संस्तुति भेजी जाएगी।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, उनके विचारों पर चलने का लिया संकल्प

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान



धामपुर। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पालिका अध्यक्ष चौधरी रवि सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब ने समाज के हर वर्ग को समान अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में समानता और न्याय की स्थापना करनी चाहिए। इस अवसर पर वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा, समानता और भाईचारे का संदेश ही उनके जीवन का मूल उद्देश्य था। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सामाजिक एकता और समरसता को मजबूत करने का संदेश दिया गया तथा सभी ने मिलकर बाबा साहब के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

रामपुर यातायात पुलिस ने ब्रीथ एनालाइजर के माध्यम से वाहन स्वामियों को किया चेक



बुलंद मंजिल/ विनोद गुप्ता
रामपुर। बुधवार को पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना के निर्देशन में जनपदीय यातायात पुलिस द्वारा ड्रिंक एंड ड्राइव के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया । अभियान के दौरान वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन न चलाने हेतु जागरूक/प्रेरित किया गया । ब्रीथ एनालाइजर के माध्यम से जांच के दौरान निर्धारित मानक से अधिक मात्रा में शराब पीकर वाहन चलाते पाए गए चालकों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई ।

नगीना में तीन न्यायिक अधिकारियों को दी गई भावभीनी विदाई

दैनिक बुलंद मंजिल /
यासिर शम्सी।





नगीना। बार एसोसिएशन नगीना की ओर से स्थानीय न्यायालय में कार्यरत तीन न्यायिक अधिकारियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। दो वर्ष के कार्यकाल के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनुपम सिंह,अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अक्षयदीप यादव एवं सिविल जज असगर अली का स्थानांतरण हो गया है।समारोह में तीनों न्यायिक अधिकारियों ने अपने संबोधन में नगीना बार एसोसिएशन और यहां के अधिवक्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि सेवा में स्थानांतरण एक स्वाभाविक प्रक्रिया है,लेकिन नगीना के अधिवक्ताओं का सहयोग,न्यायालय के प्रति सम्मान और पेशे के प्रति उनकी मेहनत व पारदर्शिता सदैव स्मरणीय रहेगी।इस अवसर पर बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए तीनों अधिकारियों के कार्यकाल की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।वरिष्ठ अधिवक्ता मौ. आरिफ खान,नव निर्वाचित अध्यक्ष दीपक बिश्नोई,मतलूब अहमद,प्रेम कुमार शर्मा,नव निर्वाचित महासचिव मौ.नईम, अमीर सिंह,निशात अहमद, जहीर अहमद खान, फरीद अहमद खान, संजीव कुमार, अरशद जावेद,जयकिशन शर्मा, नवेद इकराम, विजयपाल सिंह, शहजाद आलम, अंबरीश कुमार, दीपक सक्सेना, मौ.शाकिर, विनीत अग्रवाल, दीपक जोशी तथा अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष अशोक कुमार त्यागी एवं संचालन निवर्तमान महासचिव नईम अहमद ने किया।इससे पूर्व अधिवक्ताओं ने तीनों अधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई दी।

प्रशांत सैनी को न्याय दो : पीड़ित परिवार के समर्थन में फूटा जनाक्रोश, प्रशासन पर आरोप–आरोपियों को बचाने की साजिश

दैनिक बुलंद मंजिल /
नागेन्द्र राजपूत





चांदपुर । थाना चांदपुर क्षेत्रांतर्गत गांव हैजरपुर निवासी प्रशांत सैनी हत्याकांड को लेकर जनपद में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से लोगों में भारी नाराजगी है। पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे समाज के लोगों और प्रतिनिधियों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। परिवार से मुलाकात के दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रशांत सैनी पूरी तरह निर्दोष था, लेकिन उसकी निर्मम हत्या के बाद भी उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन असली आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रहा है और उन्हें कोर्ट जाने के लिए समय दिया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि 50 वर्ष से अधिक उम्र के निर्दोष लोगों को जेल भेज दिया गया, जबकि मुख्य आरोपी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं। इससे साफ प्रतीत होता है कि मामले को भटकाने की कोशिश की जा रही है। समाज के लोगों ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि इस मामले में सभी दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को ?1 करोड़ की आर्थिक सहायता, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और आवास की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि परिवार गहरे सदमे में है और उन्हें हर संभव सहायता की आवश्यकता है। यदि जल्द न्याय नहीं मिला, तो यह आक्रोश बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें प्रशासन और सरकार की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं कि कब तक पीड़ित परिवार को न्याय मिल पाता है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बरेली
संभल
गुरूवार, 16 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
08

मेहनत का परचम : हेजलमून स्कूल के छात्रों ने 10वीं बोर्ड में लहराया सफलता का झंडा, 97.2% तक अंक

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत





चांदपुर। चांदपुर स्थित द हेजलमून स्कूल में कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा के शानदार परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई। छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों में इस उपलब्धि को लेकर उत्साह और गर्व का माहौल है। इस वर्ष विद्यालय के टॉप-5 विद्यार्थियों ने बेहतरीन अंक प्राप्त कर सफलता की नई मिसाल कायम की। सार्थक सिंह ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। उनके बाद मोहम्मद हमजा ने 96 प्रतिशत, आव्या राज ने 94.4 प्रतिशत, प्रियांशु पारिख ने 94.2 प्रतिशत तथा अबू हम्मास ने 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विषयवार प्रदर्शन में भी विद्यार्थियों ने शानदार उपलब्धियां हासिल कीं। आव्या राज ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 100 और हिंदी में 98 अंक प्राप्त किए। सार्थक सिंह ने सामाजिक विज्ञान में 100 और अंग्रेजी में 96 अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वर्णिका लांबा ने अंग्रेजी में 96, मोहम्मद हमजा ने विज्ञान में 97 तथा अबू हम्मास ने हिंदी में 98 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के चेयरमैन श्री अनिरुद्ध मित्तल ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम है। उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी निरंतर प्रयास करते रहने और उच्च लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती शक्ति अनिरुद्ध मित्तल ने इस उपलब्धि को विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे परिणाम विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता को दशार्ते हैं। प्रधानाचार्या श्रीमती गरिमा सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके निरंतर अभ्यास, समर्पण और अनुशासन का प्रमाण है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के शिक्षकों ने भी छात्रों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। यह परिणाम न केवल छात्रों की मेहनत का प्रतीक है, बल्कि विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का भी सशक्त प्रमाण है।

रक्तदान - महादान केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक जीवनदायी सच्चाई है : सैय्यद अफजाल अली

दैनिक बुलंद मंज़िल



बरेली। रक्तदान को मानवता की सेवा का सर्वोच्च रूप माना जाता है। यह एक ऐसा निस्वार्थ कार्य है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति किसी अनजान व्यक्ति की जान बचा सकता है। हर वर्ष लाखों लोगों का दुर्घटनाओं, ऑपरेशन, प्रसव और गंभीर बीमारियों के दौरान रक्त की कमी के कारण जीवन संकट में पड़ जाता हैं। ऐसे समय में रक्तदाता ही उनकी उम्मीद बनता हैं। इसी निः स्वार्थ भाव को लेकर बुधवार को बहेड़ी के एमएम लॉन में तीन एनजीओ जीडब्लूएस, ह्यूमैनिटी और खिदमते इंसानियत द्वारा संयुक्त रूप से तीसरा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जीडब्लूएस एनजीओ के प्रमुख सैय्यद अफजाल अली ने कहा कि रक्त हमारे शरीर का एक आवश्यक घटक है, जिसे कृत्रिम रूप से बनाया नहीं जा सकता। यही कारण है कि रक्त की पूर्ति केवल रक्तदान से ही संभव है। एक यूनिट रक्त तीन अलग-अलग मरीजों के काम आ सकता है, क्योंकि इसे लाल रक्त कोशिकाओं, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स में विभाजित किया जाता है। इस प्रकार, एक व्यक्ति का रक्तदान कई जिंदगियों को बचा सकता है। उन्होंने बताया कि आम तौर पर 18 से 65 वर्ष की आयु का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान से पहले डॉक्टर द्वारा स्वास्थ्य की जांच की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि दानकर्ता और प्राप्तकर्ता दोनों सुरक्षित रहें। इस मौके पर ह्यूमैनिटी एनजीओ के प्रमुख मेराज सिद्दीकी ने बताया कि समाज में रक्तदान को लेकर कई भ्रांतियां फैली हुई हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रक्तदान से कमजोरी आती है या शरीर पर बुरा असर पड़ता है, जबकि यह पूरी तरह गलत है। विशेषज्ञों के अनुसार, रक्तदान के बाद शरीर कुछ ही दिनों में खोया हुआ रक्त फिर से बना लेता है। सही आहार और आराम के साथ दानकर्ता पूरी तरह स्वस्थ रहता है। इस अवसर पर खिदमते इंसानियत एनजीओ के प्रमुख शादाब खान ने बताया कि रक्तदान केवल दूसरों के लिए ही नहीं, बल्कि दानकर्ता के लिए भी फायदेमंद होता है। यह शरीर में नए रक्त के निर्माण को प्रोत्साहित करता है, जिससे स्वास्थ्य बेहतर रहता है। साथ ही, नियमित स्वास्थ्य जांच के कारण कई बीमारियों का पता भी समय पर चल जाता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक छोटा सा प्रयास है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा होता है। यह न केवल किसी की जिंदगी बचाता है, बल्कि समाज में मानवता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। इसलिए, हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर 45 यूनिट रक्त का दान एनजीओ को प्राप्त हुआ।

बरेली में नारी शक्ति का रोड शो, स्कूटी लेकर सड़कों पर उतरीं सैकड़ों शिक्षिकाएं, सशक्तिकरण का दिया दमदार संदेश

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के तहत बुधवार सुबह शहर की सड़कों पर महिला सशक्तिकरण का जोश नजर आया, जब सैकड़ों महिला शिक्षिकाएं स्कूटी पर सवार होकर जागरूकता रैली में उतरीं। यह रैली न केवल महिला आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनी, बल्कि सड़क सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता का मजबूत संदेश भी दे गई। सुबह करीब साढ़े नौ बजे स्पोर्ट्स स्टेडियम से शुरू हुई इस भव्य रैली में नगर क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों की महिला शिक्षिकाओं को विशेष रूप से उनकी स्कूटी के साथ आमंत्रित किया गया था। शिक्षिकाएं हेलमेट पहनकर अनुशासन के साथ निकलीं, जिसने पूरे आयोजन को एक सशक्त और प्रेरणादायक स्वरूप दिया। सड़क सुरक्षा और जागरूकता का दिया संदेश रैली के दौरान सभी प्रतिभागियों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए थे। शिक्षिकाओं ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर समाज को यह संदेश दिया कि आज की नारी न केवल सशक्त है, बल्कि जिम्मेदार और जागरूक नागरिक भी है। रैली को सांसद छत्रपाल गंगवार, विधायक संजीव अग्रवाल और भाजपा नेता अधीर सक्सेना समेत अन्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं। वीरांगना चौक पर उत्साह के साथ समापन रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई कैंट स्थित वीरांगना चौक पर जाकर समाप्त हुई। समापन स्थल पर प्रतिभागियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। यहां महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ सेल्फी और फोटो खिंचवाकर इस यादगार आयोजन को संजोया। पूरे आयोजन में एक ही संदेश गूंजता रहा—आज की नारी हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर, सक्षम और जागरूक है। स्कूटी रैली के माध्यम से महिलाओं ने समाज को यह दिखा दिया कि वे अब हर मोर्चे पर आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

दिल्ली से पीछा करते-करते बरेली पहुंचा सनकी आशिक, युवती को तेजाब से जलाने की धमकी, सड़क पर रोककर छेड़खानी

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। राजधानी दिल्ली से शुरू हुई सनक बरेली तक पहुंच गई। बारादरी थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ छेड़खानी, पीछा करने और तेजाब से हमला करने की धमकी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी न सिर्फ युवती के पीछे-पीछे बरेली पहुंचा, बल्कि घर तक आकर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दे डाली। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपने परिवार के साथ दिल्ली की एक फुटवियर फैक्टरी में काम करती थी। वहीं शीशगढ़ थाना क्षेत्र के मकालपुर निवासी रिजवान भी काम करता था। इसी दौरान उसने युवती पर गलत नजर डालनी शुरू कर दी। आए दिन छेड़खानी करता और शादी से इनकार करने पर तेजाब डालकर चेहरा बिगाड़ने की धमकी देता था। डर के चलते छोड़ी नौकरी, लेकिन पीछा नहीं छोड़ा ।रोपी की हरकतों से तंग आकर युवती दो साल पहले परिवार के साथ बरेली लौट आई। लेकिन यहां आने के बाद भी आरोपी का आतंक खत्म नहीं हुआ। वह लगातार उसका पीछा करता रहा और अब बरेली में भी उसे परेशान करने लगा। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी कई बार उसके घर पहुंचकर गाली-गलौज करता है। बीच सड़क पर रोककर छेड़खानी करता है और शादी न करने पर तेजाब से हमला करने व पूरे परिवार की हत्या की धमकी देता है। इससे पूरा परिवार दहशत में है। परिवार के तीन सदस्य भी दे रहे साथ युवती ने आरोप लगाया कि रिजवान के साथ उसका पिता अशरफ, मां अनोखी और भाई तौहीद भी उसे धमकाने और परेशान करने में शामिल हैं। चारों मिलकर लगातार दबाव बना रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर बारादरी थाना पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर विजेंद्र सिंह के मुताबिक, आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है और जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

दो पक्षों में हुए पथराव में दरोगा भी बना निशाना, आठ लोगों के खिलाफ बलवा की रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र के मोहल्ला जोगी नवादा में वनखंडीनाथ मंदिर के पास मामूली कहासुनी को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। सूचना पर दरोगा चंद्रपाल और सिपाही पवन नागर मौके पर पहुंचे तो भीड़ ने उनको भी निशाना बना दिया। दरोगा की ओर से दोनों पक्षों के आठ लोगों को नामजद कराते हुए बलवा समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। दरोगा चंद्रपाल की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया गया है कि मंगलवार दोपहर एक बजे सूचना मिली थी कि जोगी नवादा में वनखंडीनाथ मंदिर के पास एक ही समुदाय के दो पक्षों में पथराव हो गया है। वह हमराह सिपाही के साथ मौके पर पहुंचे तो दोनों पक्षों में पथराव चल रहा था। पुलिस के ललकारने पर भी बवाल करने वाले नहीं माने और पुलिस टीम पर ही हमलावर होने लगे। तब थाने से और फोर्स मंगाया गया। जिसके बाद हमलावर पथराव करते हुए भाग गए। दरोगा ने एक पक्ष के अंकुर, दीपक, धर्मेंद्र, ललिता और दूसरे पक्ष के रंजीत, संतोष, राजेश और किरन को नामजद कराते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। घटना के बाद एहतियातन मंदिर के पास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

युवाओं को मिलेगा बंपर रोजगार : यूपी में दस लाख रुपये का प्रोजेक्ट लगाने पर 25 प्रतिशत मिलेगा अनुदान

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत कुम्हारों, शिल्पियों और युवाओं के लिए योगी सरकार ने सुनहरा अवसर लेकर आई है। 10 लाख रुपये तक के प्रोजेक्ट पर सीधे 25 प्रतिशत अनुदान मिलने से माटीकला से जुड़े हर हाथ को अब काम मिलेगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि योजना के तहत बैंक के जरिए टर्म लोन दिया जाएगा, जिसमें 25 प्रतिशत राशि उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड, लखनऊ द्वारा अनुदान के रूप में दी जाएगी। इससे लाभार्थियों पर वित्तीय दबाव काफी कम हो जाएगा और उद्योग शुरू करना आसान बनेगा। इस योजना के तहत मिट्टी से जुड़े हर तरह के उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। खिलौने, घड़ा, सुराही, कुल्हड़, गिलास, कटोरी, अचारदानी, कप-प्लेट जैसे घरेलू सामान के साथ ही फ्लोर टाइल्स, रूफ टाइल्स, पाइप, वॉश बेसिन जैसे निर्माण सामग्री और सजावटी सामान जैसे गार्डन पॉट, लैम्प आदि बनाकर उद्यम खड़ा किया जा सकता है। यक्तिगत यूनिट लगाकर खुलेगा रोजगार का रास्ता मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत केवल व्यक्तिगत इकाइयों को ही स्थापित कराया जाएगा। इससे पारंपरिक कारीगरों को सीधे लाभ मिलेगा और वे खुद का व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकेंगे। सरकार की इस योजना ने माटी के हुनर को सीधे बाजार से जोड़ दिया है। अब कुम्हारों और युवाओं के लिए यह मौका है कि वे परंपरा को व्यवसाय में बदलकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर सकेंगे। 18 साल से ऊपर के युवा करें आवेदन योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। साथ ही माटीकला से जुड़ा प्रशिक्षण, प्रमाणपत्र या पारंपरिक ज्ञान होना जरूरी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी ttps://upmatikalaboard.in/Home/MatikalaRojgaar वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के दौरान फोटो, आधार, पैन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड/फैमिली आईडी और प्रोजेक्ट रिपोर्ट अपलोड करनी होगी। योजना से जुड़ी अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, 35 यू/4ए, रामपुर बाग, बरेली या दूरभाष संख्या 0581-2567395 पर संपर्क किया जा सकता है।

जीआरएम नैनीताल रोड ब्रांच ने हाई स्कूल की बोर्ड परीक्षा में मारा मैदान

आद्या चौहान ने 98.2 प्रतिशत अंक पाकर किया विद्यालय टॉप

दैनिक बुलंद मंज़िल



आज देर शाम जारी सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम जीआरएम नैनीताल रोड ब्रांच के लिए अत्यंत सुखद रहा। आद्या चौहान ने 98.4 प्रतिशत, वीर भोजवानी ने 98 प्रतिशत, सिया आनंद, मिशिका दीक्षित, सक्षम अग्रवाल, अर्थ रंजन और अवनी गोयल ने 97.8 प्रतिशत, समग्र भारद्वाज और संभव सारस्वत ने 97.6 प्रतिशत, सार्थक कुमार, दक्ष सक्सेना, प्रभव कपूर और तनिश विरमानी ने 97.2 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय टॉप किया। तरुण्शी बंसल ने हिन्दी में सैकड़ा जमाया। आद्या चौहान, सिया आनंद, अनुष्का सिन्हा, वान्या सक्सेना और अदिति सिंह ने अंग्रेजी में शत प्रतिशत अंक पाए। मिशिका दीक्षित और सक्षम अग्रवाल ने सामाजिक विज्ञान में शतक लगाया। इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में 16 बच्चों ने सैकड़ा लगाया है। हाई स्कूल में विद्यालय के 226 बच्चों ने परीक्षा दी थी। विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के 47 बच्चों ने 95 प्रतिशत से अधिक तथा 90 बच्चों ने 90 प्रतिशत से अंक पाए हैं। विद्यालय प्रबंधक राजेश जौली, निदेशक त्रिजित अग्रवाल ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य रनवीर सिंह रावत ने सफल बच्चों को मिष्ठान्न खिलाकर उनका उत्साह बढ़ाया।

रजनीश त्रिवेदी
मीडिया प्रभारी

बरेली में मातृशक्ति बाइक रैली के माध्यम से नारी सशक्तिकरण एवं एचपीवी टीकाकरण का दिया गया संदेश

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। बरेली महानगर भाजपा द्वारा बरेली स्पोर्ट्स स्टेडियम से वीरांगना चौक, कैंट तक नारी शक्तिवंदन अधिनियम अभियान के अंतर्गत एक भव्य मातृशक्ति बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से बरेली के सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, अनिल कुमार एडवोकेट (प्रतिनिधि झ्र वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार), संजीव अग्रवाल विधायक बरेली कैंट, अधीर सक्सेना, डॉ. आदेश गंगवार, पुष्पा पांडेय (सदस्य, महिला आयोग) सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने एचपीवी टीकाकरण को बढ़ावा देने एवं बेटियों को सुरक्षित भविष्य देने का संदेश दिया तथा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। यह रैली मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विश्राम सिंह एवं डीआईओ डॉ प्रशांत रंजन के मार्गदर्शन में आयोजित हुई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग की सक्रिय सहभागिता रही। इस अभियान में डॉ. मधु गुप्ता एवं सीबीगंज स्वास्थ्य टीम (सरिता), आशा, राखी, कुसुम, रोशनी, नेहा एवं अन्य) की सक्रिय एवं सराहनीय भागीदारी रही। इस रैली में सीबीगंज यूपीएचसी की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मधु गुप्ता ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए रैली में सक्रिय सहभागिता की तथा प्रभावी प्लेकाड्र्स के माध्यम से एचपीवी टीकाकरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह रैली महिलाओं की बढ़ती शक्ति, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का प्रतीक रही। बड़ी संख्या में मातृशक्ति की सहभागिता ने कार्यक्रम को अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बनाया।

एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

दैनिक बुलंद मंज़िल



बरेली। यूपीएचसी सीबीगंज की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मधु गुप्ता द्वारा ईएसआई अस्पताल सीबीगंज में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ईएसआई अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. अमित साहा एवं सुमित पराशर का विशेष सहयोग रहा। साथ ही एएनएम सरस्वती, पूनम एवं सरिता ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ. मधु गुप्ता ने बताया कि एचपीवी संक्रमण आगे चलकर गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर का कारण बन सकता है, लेकिन समय पर वैक्सीन लगवाकर इससे बचाव संभव है। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि यह टीका उन बालिकाओं के लिए है जिन्होंने 14 वर्ष की आयु पूरी कर ली है और 15 वर्ष की आयु अभी पूरी नहीं की है उनके लिए है, साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि एचपीवी टीकाकरण यूपीएचसी सीबीगंज में निःशुल्क उपलब्ध है, जहाँ पात्र बालिकाएँ आकर यह टीका लगवा सकती हैं। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को इस टीकाकरण के महत्व, सुरक्षा एवं लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी गई तथा अधिक से अधिक बालिकाओं तक इस संदेश को पहुँचाने के लिए प्रेरित भी किया गया। अंत में सभी से अपील की गई कि वे जागरूक बनें और समय पर टीकाकरण कराकर अपनी बेटियों को सुरक्षित भविष्य प्रदान करें।

पार्क बुलाकर हिंदू युवती से छेड़छाड़ करने वाला साहिल गिरफ्तार, लंगड़ाते हुए हाथ जोड़कर बोला- साहब माफ कर दो

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। शहर में एकतरफा प्यार की आड़ में अपराध का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक युवक ने युवती को बुलाकर उसके साथ छेड़छाड़ की और जब विरोध हुआ तो खुद को बचाने के लिए अवैध तमंचा तक रख लिया। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना मंगलवार की है, आरोपी अफसर उर्फ साहिल ने युवती को गांधी उद्यान के पास बुलाया। यहां उसने दोस्ती करने का दबाव बनाया। युवती के इंकार करते ही वह जबरदस्ती पर उतर आया। हालात बिगड़ते देख युवती के परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से फरार हो गया। रात में घेराबंदी, जंक्शन के पास दबोचा घटना के बाद पुलिस अलर्ट हो गई। मंगलवार देर रात गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस टीम ने रेलवे जंक्शन के पास मनोरंजन सदन के नजदीक आरोपी को घेर लिया। तलाशी में उसके पास से 315 बोर का नाजायज तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि वह युवती से एकतरफा प्रेम करता था और लगातार कॉल व मैसेज कर उसे दोस्त बनाना चाहता था। मना करने पर उसने जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश की। पकड़े जाने के डर से उसने एक साथी से तमंचा मंगाकर अपने पास रख लिया था। छेड़छाड़ और आर्म्स एक्ट में केस, जेल भेजा इस मामले में कोतवाली थाने में छेड़छाड़ की धाराओं में मुकदमा पहले ही दर्ज था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी पर आर्म्स एक्ट में भी केस दर्ज कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर शहर में अपराधियों के खिलाफ अभियान चल रहा है। इसी के तहत पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोचा। अधिकारियों ने साफ कहा है कि महिलाओं से जुड़े अपराधों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

अंबेडकर जयंती पर कुंदरकी में जन सम्मेलन, समानता और अधिकारों के संकल्प के साथ श्रद्धांजलि

बुलंद मंजिल ब्यूरो

मुरादाबाद। जिले के नगर कुंदरकी ब्लॉक सभागार में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर भव्य जन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई, साथ ही उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने बाबा साहेब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ऐसे महान मसीहा थे, जिन्होंने भारतीय संविधान की रचना कर समाज के वंचित और दबे-कुचले वर्गों को समान अधिकार और सम्मान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने कहा कि आज समाज के



हर वर्ग का शिक्षित होकर आगे बढ़ना बाबा साहेब की दूरदर्शिता का ही परिणाम है। विधायक ने लोगों से आह्वान किया कि वे डॉ. अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करें और उनके पदचिन्हों पर चलते हुए एक समतामूलक समाज के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि किसी भी व्यक्ति के साथ जाति, धर्म या लिंग के आधार पर भेदभाव न हो। कार्यक्रम में महिलाओं के अधिकारों पर विशेष चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के अथक प्रयासों से ही महिलाओं को शिक्षा, सम्मान और समान अधिकार प्राप्त हुए, जिससे उनकी स्थिति में व्यापक सुधार आया। साथ ही उन्होंने नरेंद्र मोदी द्वारा संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण देने के निर्णय को बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन को संघर्ष, प्रेरणा और सामाजिक न्याय का प्रतीक बताते हुए उनके विचारों को आज भी प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों को अपनाकर ही एक सशक्त और समानता पर आधारित समाज की स्थापना संभव है। इस अवसर पर पूर्व सांसद वीर सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गुलाम जिलानी, मंडल अध्यक्ष बबलू जाटव, मुन्ना सागर, सबीकांत जाटव, तेजपाल सागर, रविंद्र सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे और अपने विचार साझा किए।

2027 का शंखनाद: मुरादाबाद में कांग्रेस की हुंकार, INDIA गठबंधन के साथ भाजपा को सत्ता से हटाने का दावा

बुलंद मंजिल ब्यूरो

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में मुरादाबाद जनपद में कांग्रेस पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियों को धार देते हुए एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी प्रदीप नरवाल मुख्य रूप से शामिल हुए। बैठक के दौरान प्रदीप नरवाल ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए स्पष्ट किया कि कांग्रेस आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि पार्टी जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने में जुटी है और कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया जा रहा है। नरवाल ने भरोसा जताया कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में कठउक्रअ गठबंधन ने एकजुट होकर





भारतीय जनता पार्टी को कड़ी चुनौती दी, उसी तरह 2027 में भी यह गठबंधन जीत का इतिहास दोहराएगा। उन्होंने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मिलकर चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने आगे कहा कि गठबंधन का लक्ष्य प्रदेश में दो-तिहाई सीटें जीतकर सरकार बनाना है। इसके लिए पार्टी ने अभी से रणनीति बनानी शुरू कर दी है और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय किया जा रहा है। मुरादाबाद की राजनीतिक स्थिति पर बात करते हुए नरवाल ने कहा कि जिले की सभी 6 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस मजबूती से चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। गठबंधन के तहत पार्टी की कोशिश रहेगी कि कम से कम 3 सीटें कांग्रेस के हिस्से में आएं। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और भाजपा के शासन का अंत निकट है। उन्होंने यह भी कहा कि कठउक्रअ गठबंधन प्रदेश में आधी सीटों की मांग के साथ चुनाव मैदान में उतरेगा, ताकि जनता के सामने एक मजबूत विकल्प प्रस्तुत किया जा सके। इस बैठक के बाद मुरादाबाद के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और आगामी चुनाव को लेकर चर्चाएं और रणनीतियां खुलकर सामने आने लगी हैं।

जन-सुनवाई में गैरहाज़िर अधिकारियों पर सख्ती, अल्पसंख्यक आयोग ने जारी किए कारण बताओ नोटिस

बुलंद मंजिल - ब्यूरो

देहरादून। बुधवार 15 अप्रैल को अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष फरजाना बेगम की अध्यक्षता में आज अल्पसंख्यक कल्याण भवन, शहीद भगत सिंह कॉलोनी स्थित सभागार में जन-सुनवाई का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे शुरू हुई इस सुनवाई में कुल 39 प्रकरणों पर विचार किया गया, जिनमें से 20 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। सुनवाई के दौरान देहरादून समेत विभिन्न क्षेत्रों से आए शिकायतकताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। आयोग ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। कई मामलों में पुलिस विभाग और अन्य अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताते हुए सुधारात्मक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए। बैठक



में अनुपस्थित रहे। अधिकारियों के प्रति आयोग ने सख्त रुख अपनाया। गैरहाज़िर अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए भविष्य में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए। आयोग की यह कार्रवाई प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस अवसर पर फरजाना बेगम ने कहा कि प्रदेश में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि शासन-प्रशासन को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की नीतियों के चलते लोगों को शीघ्र न्याय और राहत मिल रही है, जिससे जनता का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

हीट वेव/लू से बचाव को लेकर प्रशासन की एडवाइजरी जारी, दोपहर में बाहर निकलने से बचने की अपील

बुलंद मंजिल ब्यूरो

मुरादाबाद। भीषण गर्मी और बढ़ती हीट वेव की स्थिति को देखते हुए उ०प्र० राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जिला प्रशासन ने जनहित में व्यापक एडवाइजरी जारी की है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्रीमती ममता मालवीय ने नागरिकों से सतर्क रहने और जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि हीट वेव और लू से बचाव के लिए लोगों को मौसम संबंधी चेतावनियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा दिनभर अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। हल्के रंग के ढीले और पसीना सोखने वाले कपड़े पहनें तथा धूप में निकलते समय चश्मा, छाता, टोपी और चप्पल का उपयोग करें। खुले में काम करने वाले लोग अपने सिर, चेहरे, हाथ-पैर को गीले कपड़े से ढककर रखें। यात्रा के दौरान अपने साथ पर्याप्त पानी अवश्य रखें। शरीर में पानी की कमी से बचने के लिए ओआरएस, लस्सी, छाछ, नींबू पानी और चावल का माड़ जैसे घरेलू पेय पदार्थों का सेवन करें। हीट स्ट्रोक, हीट रैश और हीट क्रैम्प के लक्षण जैसे कमजोरी, चक्कर आना, सिरदर्द, उल्टी, अत्यधिक पसीना या बेहोशी होने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल में संपर्क करने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने पशुओं की सुरक्षा पर भी जोर देते हुए उन्हें छायादार स्थान पर रखने और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। घरों को ठंडा रखने के लिए दिन में दरवाजे-खिड़कियां बंद रखें और शाम/रात में खोलें। पंखे, गीले कपड़ों का उपयोग करें और बार-बार स्नान करें। कार्यस्थलों पर ठंडे पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और श्रमसाध्य कार्य ठंडे समय में ही किए जाएं। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी गई है। क्या न करें: प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बच्चों और पालतू जानवरों को खड़ी गाड़ियों में न छोड़ें। दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप में निकलने से बचें। गहरे रंग के, भारी और तंग कपड़े न पहनें। अत्यधिक गर्मी में श्रमसाध्य कार्य करने से बचें तथा खाना बनाने का कार्य भी ठंडे समय में करें। इसके अलावा शराब, चाय, कॉफी और काबोर्नेटेड पेय पदार्थों के सेवन से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि ये शरीर में पानी की कमी बढ़ाते हैं। तेज हवा के दौरान खुले स्थानों पर आग या ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग न करने की भी अपील की गई है।

रोशनपुर जागीर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का 135वां जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया



दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

नूरपुर। ग्राम रोशनपुर जागीर, हसूपुरा में डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के 135वें जन्मदिवस के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अध्यापक पवन कुमार उपस्थित रहे। पवन कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में बाबा साहब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में न्याय, समानता और भाईचारे को मजबूत किया जा सकता है। उनके आदर्शों को आत्मसात कर हम एक समतामूलक, न्यायपूर्ण और समावेशी भारत का निर्माण कर सकते हैं। इस दौरान सभी कार्यक्रम में सभी लोगों ने बाबा साहब के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में नगर व आसपास के गांव के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

महिला बिल के समर्थन में मुरादाबाद में निकली बाइक रैली, बाजारों में दिखा जोरदार समर्थन

बुलंद मंजिल ब्यूरो

मुरादाबाद। महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके अधिकारों को लेकर मुरादाबाद में एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। महिला बिल के समर्थन में महिला मोर्चा द्वारा ह्यनारी शक्ति वंदनह्ण अभियान के तहत भव्य बाइक और स्कूटी रैली का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली की शुरूआत शहर स्थित पार्टी कार्यालय से हुई, जहां से महिलाएं बाइक और स्कूटी पर सवार होकर शहर के प्रमुख बाजारों और चौराहों से गुजरीं। इस दौरान महिलाओं ने ह्यमहिला सशक्तिकरणह्ण और ह्यसमान अधिकारह्ण के समर्थन में





जोरदार नारे लगाए, जिससे पूरे माहौल में जागरूकता का संदेश फैल गया। जैसे-जैसे रैली आगे बढ़ी, शहर के अलग-अलग इलाकों में लोगों की भीड़ जुटती गई। कई स्थानों पर स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने महिलाओं का स्वागत किया और उनके इस अभियान का समर्थन किया। रैली में शामिल महिलाओं का कहना था कि महिला बिल देश की आधी आबादी को मजबूत बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे महिलाओं को राजनीति और निर्णय लेने की प्रक्रिया में बराबरी का अधिकार मिलेगा, जिससे समाज में उनकी भागीदारी और अधिक सशक्त होगी। रैली का समापन सिविल लाइंस स्थित गांधी पार्क में हुआ, जहां महिलाओं ने एकजुट होकर समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस मौके पर महिलाओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर से उपभोक्ताओं को राहत, 98% शिकायतों का निस्तारण

बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबाद/मेरठ । पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) द्वारा ऊर्जा भवन, विक्टोरिया पार्क में स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंध निदेशक श्री रवीश गुप्ता (आईएएस) ने की प्रेस वार्ता में प्रबंध निदेशक ने बताया कि स्मार्ट मीटर से जुड़ी 98 प्रतिशत शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है और वर्तमान में कोई भी शिकायत लंबित नहीं है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान और पारदर्शिता विभाग की प्राथमिकता है उन्होंने जानकारी दी कि ऑटोमैटिक री-कनेक्शन प्रणाली से उपभोक्ताओं



को बड़ी राहत मिली है और री-कनेक्शन से संबंधित लंबित शिकायतें लगभग शून्य हो चुकी हैं। साथ ही बिल रिवीजन से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं और प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु ऑडिट भी कराया जा रहा है प्रबंध निदेशक ने बताया कि 13 अप्रैल से बकाया और माइनस बैलेंस वाले उपभोक्ताओं के लिए विशेष संपर्क अभियान चलाया जा रहा है, जिससे कनेक्शन पुनः जोड़ने की प्रक्रिया को तेज किया जा सके उपभोक्ताओं को सुविधा देने के लिए यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसके माध्यम से उपभोक्ता अपनी बिजली खपत की रियल टाइम निगरानी कर सकते हैं और तुरंत रिचार्ज भी कर सकते हैं। प्रीपेड रिचार्ज पर 2 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है।उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को समय पर सूचना देने के लिए एसएमएस गेटवे की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि कम बैलेंस की सूचना बिना किसी बाधा के पहुंच सके। स्मार्ट मीटर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मीटरों पर जानकारीपूर्ण स्टीकर लगाए जा रहे हैं और पम्फलेट वितरित किए जा रहे हैं इस दौरान निदेशक (वाणिज्य) संजय जैन, मुख्य अभियंता पी.के. सिंह, स्टाफ ऑफिसर सोनम सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना नक्शा पास खड़ा कर लिया बारातघरह्ण BDA ने पहुंचकर रमा पैलेस जड़ दी सील, इलाके में खलबली

दैनिक बुलंद मंज़िल

शहर में अवैध निमार्णों के खिलाफ बीडीए ने बड़ा एक्शन लेते हुए पीलीभीत बाईपास रोड पर बिना नक्शे से बने रमा पैलेस को सील कर दिया है। बीडीए की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और अन्य अवैध निर्माण करने वालों में खलबली देखी गई। बीडीए उपाध्यक्ष डॉ ए मनिकंडन ने बताया कि थाना इज्जतनगर क्षेत्र के ग्राम तुलाशेरपुर में 0रमा गंगवार द्वारा करीब 670 वर्गमीटर में रमा पैलेस नाम से बारातघर संचालित किया जा रहा था। जांच में सामने आया कि यह निर्माण बिना बीडीए से नक्शा पास कराए कराया गया था, जो पूरी तरह अवैध है। बुधवार को बीडीए की प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर सीलिंग की कार्रवाई की। इस दौरान सहायक अभियंता गजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में अवर अभियंता अजीत कुमार साहनी और टीम ने पूरे परिसर को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ भी जुट गई। बीडीए ने उ0प्र0 नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की संबंधित धाराओं के तहत यह कार्रवाई की। अधिकारियों ने साफ कहा कि बिना स्वीकृति के किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा। बीडीए ने चेतावनी दी है कि शहर और विकास क्षेत्र में जहां भी अवैध निर्माण मिलेंगे, वहां ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इसमें किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। प्राधिकरण ने आम लोगों से अपील की है कि कोई भी संपत्ति खरीदने से पहले उसका मानचित्र स्वीकृत है या नहीं, इसकी पूरी जांच जरूर कर लें। बिना अनुमति वाली संपत्ति खरीदना भविष्य में भारी पड़ सकता है।

खेत में गेहूं काटने के विवाद में युवक की हत्या, चार आरोपी गिरफ्तार

बुलंद मंजिल
/सलमान युसूफ

मुरादाबाद। महानगर में खेत से गेहूं की फसल काटने के विवाद में सगे भाई और भतीजों द्वारा एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई, जबकि दो महिलाओं को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 14 अप्रैल 2026 को थाना सिविल लाइंस क्षेत्र में हुई। आदर्श कॉलोनी फाटक के पास रहने वाले सुरेश कुमार पर आरोपियों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला किया। गंभीर रूप से घायल सुरेश कुमार की अस्पताल ले जाते समय मृत्यु हो गई। हमले में उसकी पत्नी अनीता देवी और



सास मैना देवी भी घायल हुईं। पुलिस ने मृतक की साली की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों–रंजीत, सुरजीत, विजय और सुभाष उर्फ मुन्दर लाल–को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर एक लाठी, लोहे का पाइप और दरांती बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पैतृक खेत के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद में घटना के दिन फसल काटने को लेकर कहासुनी के बाद मारपीट हुई, जिसमें सुरेश कुमार की मौत हो गई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर चालक-परिचालकों का सम्मान, निगम की आय बढ़ाने पर जोर

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम, मुरादाबाद क्षेत्र द्वारा माह मार्च 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चालक एवं परिचालकों को क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इस दौरान बेहतर डीजल औसत प्राप्त करने वाले 2 चालकों तथा उत्कृष्ट लोड फैक्टर हासिल करने वाले 2 परिचालकों को सम्मानित किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अनुराग यादव ने कहा कि निगम की बसों का समयबद्ध और सुचारू संचालन सुनिश्चित करना सभी कर्मचारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश



दिए कि प्रत्येक स्टॉपेज से अधिकतम यात्रियों को बैठाकर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे निगम की आय में वृद्धि हो सके और यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिलें उन्होंने चालक एवं परिचालकों से कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ करने की अपेक्षा जताई, ताकि निगम की छवि और अधिक मजबूत हो सके इस अवसर पर सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त), सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मुरादाबाद डिपो सहित कार्यालय के अन्य कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दैनिक बुलन्द मंज़िल

Opinion

संभल
गुरूवार, 16 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

What Reshapes Kashmir Apple Orchards

In Damhal village, about 80 kilometres from Srinagar, Shakeel Ahmad Rather walks through what remains of his apple orchard after last week's hailstorm.

The storm lasted barely half an hour, but the damage was immediate. Red-tipped blossoms fragile and essential for fruit formationlie scattered across the ground.

Nearly 80-85 per cent of his eight-kanal orchard has been damaged. "It has become a pattern now," says the 40-year-old, linking repeated losses to changing weather.

The impact goes beyond a single harvest. Damaged blossoms mean reduced fruit set, and repeated stress can weaken trees for seasons to come. "It affects everything the market, our household, even weddings and construction," he says, pointing to how deeply apple cultivation is tied to everyday life in Kashmir.

Damage at a critical stage

Last week's hailstorm swept through several apple-growing areas in Shopian, Kulgam and Bandipora, damaging orchards at the most critical stage of the crop cycle.

Though brief in some places and longer in others, the intensity was enough to flatten blossoms across large stretches. For growers, the timing has made the damage far worse.

"The chances of recovery are very rare," says Rather, echoing concerns across the region.

The flowering stage determines the fruit set. Any disruption at this point directly translates into lower yields. Even small hailstones can knock off blossoms or damage young fruitlets. These losses that cannot be reversed within the same season.

A changing weather pattern

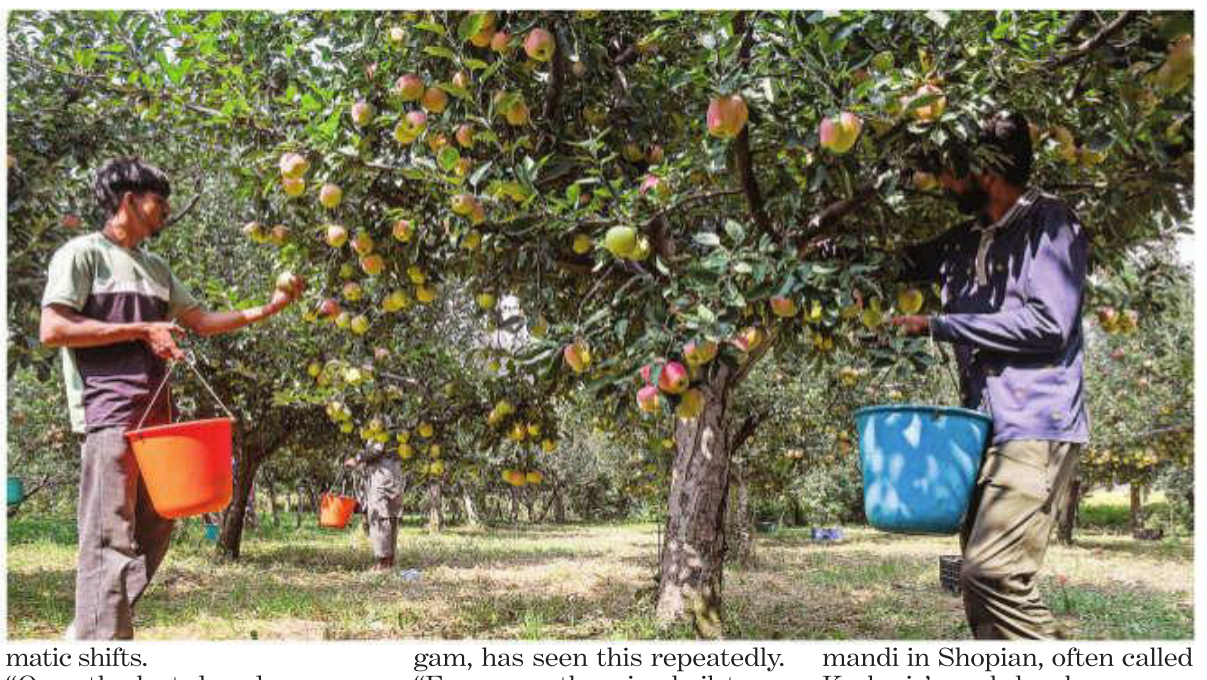
What happened last week is not an isolated event. Scientists point to a growing trend of declining overall precipitation alongside rising temperatures and more erratic weather.

A 2023 study by researchers from the University of Kashmir and the Indian Institute of Hyderabad recorded more than 200 hailstorm events in the Valley between 2007 and 2022. The increase is dramatic, with 27 in 2022 compared to just two events in 2007.

> The flowering stage determines the fruit set. Any disruption at this point directly translates into lower yields. Even small hailstones can knock off blossoms or damage young fruitlets. These losses that cannot be reversed within the same season.

In the past decade alone, more than 80 severe hailstorms have been documented. These are no longer evenly spread across the year but are increasingly concentrated between April and June the crucial flowering period for apple orchards.

Yasir Altaf, assistant professor in the Department of Environment, Sustainability and Climate Change at the Islamic University of Science and Technology ,Kashmir, says the pattern reflects broader climatic shifts.



"Over the last decade, we are not just seeing changes in how much it rains, but how it rains. Warmer surface temperatures are fuelling stronger vertical air currents, which are essential for hail formation," he says.

Kashmir's geography amplifies the effect. When warm air rises rapidly and meets very cold conditions in the upper atmosphere, it creates ideal conditions for hailstorms, Altaf added.

Rising vulnerability for growers

Kashmir's shift from traditional agriculture to high-value horticulture has made apples the backbone of its economy but also increased vulnerability.

Unlike staple crops, apples are highly sensitive to climate variability. A single untimely event such as hail, frost or unseasonal rain can wipe out a large part of the harvest.

Mohammad Yousuf Bhat, a grower from Katrasoo in Kulgam, has seen this repeatedly. "Every year there is a hailstorm now. We spray pesticides, we do everything, but there is no option when this happens," he says.

Repeated shocks are eroding both income and confidence. Farmers struggle to plan ahead, while recurring losses push many towards debt.

Mohammad Muslim, assistant professor in the Department of Environmental Science at the University of Kashmir, says the region is witnessing stronger inter-seasonal variability.

"Warmer temperatures increase convective instability, while erratic western disturbances concentrate energy into fewer but more intense events," he explains.

Growers say the nature of hailstorms has also changed.

"Earlier, damage was limited. Now it destroys orchards in minutes," says Mohammad Ashraf Wani, president of the fruit mandi in Shopian, often called Kashmir's apple bowl.

He adds that hailstorms are no longer confined to predictable periods and are now occurring even during later stages of fruit development, extending the window of risk.

Losses beyond a single season

Studies estimate that hailstorms can cause losses of 30 per cent to 70 per cent in affected orchards, and in some cases near-total damage.

But the impact does not end with one season. Repeated hail damage weakens trees, increases susceptibility to disease and reduces long-term productivity.

"It's not just a one-year loss it affects orchard health for several seasons," says Dr Altaf.

Despite the growing threat, protective measures remain limited. Anti-hail nets — one of the most effective solutions are used by only about 0.06 per cent of horticulturists, largely due to high costs.

Crop insurance, which could offer financial relief, has limited reach. While the government has introduced the Restructured Weather Based Crop Insurance Scheme (RWBCIS), its implementation on the ground remains patchy. Farmers remain sceptical. "We can only watch," says Bhat, reflecting a sense of helplessness shared across the region.

Without a reliable safety net, losses translate directly into financial distress. For households dependent on a single annual harvest, even one bad season can affect education, healthcare and basic needs. Unlike droughts or gradual rainfall changes, hailstorms compress risk into a matter of minutes.

Farmers may spend months pruning, spraying and managing pests, only to see their efforts undone in a brief storm.

Dr Altaf describes this as a growing mismatch between risk and preparedness. "Farmers are facing a very real and increasing threat, but protective measures are still minimal," he says.

This compression of risk leaves little room for recovery and even less time for response.

Experts say both immediate and long-term responses are needed.

In the short term, expanding access to anti-hail nets through subsidies could significantly reduce damage. Improved early warning systems even a few hours in advance could help farmers take precautionary steps.

"Even a short lead time can make a difference," says Dr Muslim, emphasising the need for stronger agrometeorological advisories. (Courtesy: DTE)

Danger of Rainfall Deficit

The primary rainfall season for India, the South West Monsoon (SWM), could be below normal or deficient in 2026, according to the first long range forecast by the India Meteorological Department (IMD) issued on April 13, 2026. The major reason for this prediction is the expected El Niño conditions in the Equatorial Pacific Ocean by the second half of SWM.

This could be a major concern for around 60 per cent of farmers in the country who are completely dependent on monsoon rainfall for the Kharif cropping season. For many regions, this is a double whammy after facing losses during the stormy pre-monsoon season of 2026 due to hailstorms and flooding.

SWM is said to be below normal when the predicted rainfall for the season is 90-95 per cent of the long period average (LPA) for the country. The LPA for the monsoon is defined as the average rainfall between 1971-2020



and is around 868.6 mm.

"Quantitatively, the seasonal rainfall over the country as a whole is likely to be 92 percent of LPA which is around 800 mm with a model error of +/- 5 percent," said IMD in a press release. In fact, the chances for a deficient rainfall with rainfall below 90 per cent of LPA is the highest at 35 per cent. The long term (climatological) probability of this occurrence is 16 per cent.

There is 31 per cent chance that the SWM in 2026 could be below normal (90-95 per cent of LPA) and a 27 per cent probability of a normal rainfall (96-104 per cent of LPA). The long-term chances of a below normal rainfall is 17 per cent and for normal rainfall is 33 per cent. The chances of an above normal or excess SWM are extremely rare — six per cent and one per cent respectively.

The major climatic factors that could influence the rainfall during SWM are the El Niño Southern Oscillation (ENSO), the Indian Ocean Dipole (IOD) and the snow cover area in the Eurasian region.

Farming Under Stress

The unusually warm winter in Kashmir is also worrying agricultural scientists, who say the shift could have far-reaching consequences for farming in the Valley.

Sameera Qayoom, professor and head of the Division of Agrometeorology at Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences and Technology (SKUAST) Kashmir, says the region's agriculture depends heavily on winter snowfall in surrounding mountains. Snow accumulated during winter gradually melts in spring, feeding rivers such as the Jhelum and sustaining irrigation during the growing season.

"When winters are warmer and snowfall is reduced, it disrupts this entire system," she says. "Less snow means less water available for irrigation in spring, streams begin to dry earlier and crops can experience water stress during critical growth stages."

> "When winters are warmer and snowfall is reduced, it disrupts this entire system," she says. "Less snow means less water available for irrigation in spring, streams begin to dry earlier and crops can experience water stress during critical growth stages

The implications are particularly serious for Kashmir's horticulture sector, which forms the backbone of the rural economy. Fruit crops such as apples, cherries and walnuts require a certain number of chilling hours during winter dormancy."When winters are unusually warm, the chilling requirement may not be fulfilled," Qayoom explains. "This can lead to delayed or uneven flowering, poor fruit set and ultimately lower yields and fruit quality."

Warmer winters can also allow pests and pathogens that would normally be killed by cold temperatures to survive and multiply. "This can lead to early outbreaks of aphids and mites, as well as increased fungal diseases in orchards," she says, adding that farmers may be forced to use more pesticides.

Field crops such as wheat and mustard are also vulnerable. Higher temperatures can trigger early germination and accelerate plant development, shortening the grain-filling stage and reducing yields. There is also the risk of frost damage.

Sweden's 'Old Growth' Natural Forests

Most of Europe's original natural forests have been transformed for agriculture and managed forests producing energy, paper and timber. The few remaining "old-growth" natural forests are relics of the past that illustrate how forests would have looked in the absence of human management. They can, therefore, tell us how people have transformed forests.Most Swedish forests are so-called boreal forests. This type of coniferous woodland ecosystem encompasses most of the northern regions of the planet. These relatively cold regions have historically had low populations. Here, large-scale use of forests began relatively late.In Sweden, modern forest management emerged in the 20th century. It involves cutting most trees in an area — clear-cutting — followed by planting and sowing of new trees, cleaning and thinning until the trees are clear-cut again up to 120 years later. The soil is also disturbed. It is very common to plough the soil and excavate trenches and ditches to remove water from forests.

After mapping and measuring the most natural old-growth forests in Sweden, we found that they differ much more from managed forests than previously thought, even if some of those managed forests looked old.We found that old-growth forests store 78-89 per cent more carbon than managed forests do, a difference in carbon storage larger than Sweden's cumulative emissions from the combustion of fossil fuels since 1834. Our new study underscores the much larger carbon storage benefits that flow from protecting forests than using them to produce bioenergy and wood products.

> Our new study underscores the much larger carbon storage benefits that flow from protecting forests than using them to produce bioenergy and wood products.



Eight years ago, we started mapping the most natural lowland old-growth forests across the country. We focused on old-growth forest remnants in the least attractive areas for agriculture and forest management. We excluded these because they are usually slow-growing mountain forests and store less carbon than they would in the broader landscapes used for wood production. We then spent three years collecting samples and measuring the carbon content of the old-growth forests and compared with that of managed forests.

Soils are difficult to study. They store vast amounts of carbon but measuring that is difficult. The main methods to measure soil carbon have not changed in the last century. We dug 220 pits up to one-metre deep and took samples at different depths from across the country. (Courtesy: DTE)



ALIA BHATT GIVES A PEEK INTO DREAMY ANNIVERSARY GET AWAY WITH RANBIR KAPOOR AND RAHA



Bollywood superstar couple Alia Bhatt and Ranbir Kapoor celebrate four years of their marital bliss on the 14th of April.

On account of the special day, Alia took to her social media account to share a glimpse of their anniversary special vacation. She also penned a beautiful caption alongside her carousel post.

"Somewhere between gliding and falling, walking and a lot of talking.... we made ourselves a pretty wonderful life. In short .. Tu saath hain toh din raat hain," she wrote.

In the picture shared by Alia, it features the lovestruck two smiling for a selfie, with snow clad mountains in the background. The second picture shows a serene outdoor setting surrounded by snow-covered mountains and wooden chalets.

Ranbir is seen along with little Raha, standing near a fenced area interacting with a group of alpacas.

The three, a few days ago, were clicked at the airport in Mumbai, all geared up for the special vacation, though the destination remains undisclosed.

Talking about their love story, Alia and Ranbir fell in love on the sets of their movie Brahmastra Part One: Shiva.

The movie was directed by Ayan Mukerji, and released in 2022. The couple had seamlessly managed to keep their relationship away from the media spotlight for the longest time.

After dating for quite a few years, the couple tied the knot on April 14, 2022, in an intimate ceremony at their Mumbai home with just their close friends and family members in attendance. They welcomed their daughter Raha, in the same year, on November 6, 2022.

On the professional front, Alia and Ranbir are currently busy with the shooting of ace filmmaker Sanjay Leela Bhansali's movie Love and War, which also stars Vicky Kaushal.

Kriti Sanon goes lean with strict diet for *'Cocktail 2'*

Actress Kriti Sanon, who is gearing up for the release of Cocktail 2, has spoken about her preparation for the sequel to the 2012 cult romantic drama and shared that she was on a "very strict diet" and a "consistent workout routine" to prep for the upcoming film.

"Honestly, during Cocktail, it was the only time when I was on a very strict diet and a consistent workout routine. And for the first time, I followed a calorie deficit diet, which had never happened in my life. We were shooting in Italy, in Sicily... and when it comes to food there, it's mostly pizza, pasta, pizza... all of that. And I was like... ah," Kriti said in a statement.

Earlier, she had revealed the emotional reason behind choosing the film, sharing, "Tere Ishk Mein was so emotionally draining, it had completely emptied me emotionally. I felt I needed something light and fun, and that's when Cocktail came my way."

Highlighting the importance of balance, Kriti had also shared, "I thought, 'This is it. This is the space I want to be in.' It's also nice to play characters that are poles apart, to not get too much of the load on you emotionally, because going back-to-back with deeply layered roles can take a toll on you." Kriti shared that she's looking very different from what she has ever looked and it's probably the hottest character that I've done so far.

"And I think Homi is someone who has great great aesthetic visual sense and he's just inherently cool and I think he's brought a cool side to me which I didn't know I had."





SRK in advanced talks with Sanjay Leela Bhansali for a mature romantic role

Bollywood superstar Shah Rukh Khan is in advanced talks with filmmaker Sanjay Leela Bhansali for a romance film, where he will be seen in an "age-appropriate" role.

According to a source close to IANS, the filmmaker and actor, who previously worked in the 2002 blockbuster "Devdas", are now in an advanced stage of talks for the film, where he will be seen in an age-appropriate character, who is over 50-years-old.

As per the source, his character will be going through a rough patch in his career. He will bump into a woman who has a start-up and will fall in love.

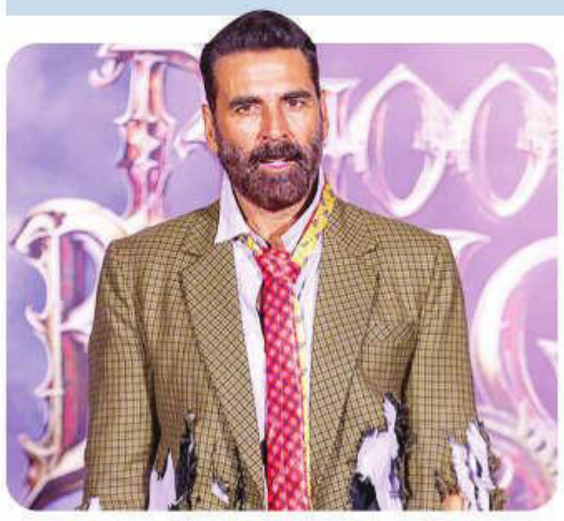
He was offered a film earlier, but the superstar rejected. The film was most likely "Inshaallah," which got shelved after Bollywood superstar Salman Khan backed out.

Talking about Bhansali's previous film "Devdas" with SRK, the period romantic drama film also stars Aishwarya Rai, Madhuri Dixit, Jackie Shroff, Kirron Kher, Smita Jaykar, and Vijayendra Ghatge.

Based on the Bengali-language 1917 novel of the same name by Sarat Chandra Chattopadhyay, the film narrates the story of Devdas Mukherjee, a wealthy law graduate who returns from London to marry his childhood friend, Parvati "Paro".

However, the rejection of their marriage by his own family sparks his descent into alcoholism, ultimately leading to his emotional deterioration and him seeking refuge with the golden-hearted courtesan Chandramukhi.

Shah Rukh Khan is currently busy with his next, an action thriller titled "King" directed by Siddharth Anand.



Akshay Kumar marks Baisakhi as a celebration of fresh starts and gratitude

Bollywood superstar Akshay Kumar seems to be in a celebratory mood, especially on the occasion of Baisakhi that falls on the 14th of April. On account of the special occasion, Akshay said, "On this beautiful occasion of Baisakhi, we celebrate not just a harvest, but a spirit of togetherness, where across our country, different festivals and new year traditions unite us in joy on the same day."

Talking about the importance of the festival for him, Akshay revealed, "For me, it is a reminder of fresh beginnings, and gratitude. This year feels even more special."

The actor who is currently seen hosting the quiz reality show Wheel of Fortune, expressed gratitude to his fans for showering the show with love.

"The love and warmth the audience has shown for Wheel of Fortune, a completely new format for India, on Sony Entertainment Television has been truly overwhelming. I wish everyone growth, positivity, and new beginnings, keeping that festive fire alive all year round," he said. The actor, while hosting the quiz based reality show Wheel of Fortune, is often seen sharing many anecdotes of life that were never heard before.

Tara Sutaria shares a peek at her *'last week at home'* on Farah Khan's show

Bollywood actress Tara Sutaria gave a sneak-peek into her "last week at home", which featured moments from choreographer-filmmaker Farah Khan's shoe, evenings, and dinner, which was almost served among others.

Tara took to Instagram, where she shared a string of pictures featuring her elegant dinner table set-up, piano and a painting.

For the cation, Tara wrote: "Last week at home! - Prepping my table for my favourite @farahkhankunder's fabulous show - Evenings - Dinner is (almost) served - My favourite piece of art and my baby grand welcoming me home - @oonadmello, artist extraordinaire and someone I am lucky to call family painted this most exquisite piece for my new home. Seriously.. How lucky am I!?"

Reacting to the heartfelt post, Farah couldn't help but gush over both the actress and her beautiful home.

As she wrote in the comment section: "Gorgeous thanks for having us home you and your house both are beautiful."

Tara started her career as a singer in the reality show Big Bada Boom in 2010 and transitioned to acting with the sitcoms The Suite Life of Karan and Kabir and Oye Jassie. She made her film debut in 2019 with Student of the Year 2 and was then seen in films suchas Marjaavaan, Ek Villain Returns and Apurva.

The actress will next be seen in Yash's "Toxic: A Fairy Tale for Grown-Ups," which is slated to release on June 4. Directed by Geethu Mohandas, the film was first scheduled to hit the screens on March 19.

However, the makers of the action-drama in March announced that the film's release was being postponed to June 4 this year in the wake of the current conflict going on in the Middle East.

KVN Productions and Monster Mind Creations announced the strategic rescheduling of the global theatrical release of the film based on the advise of one of their major distribution partner Phars Films.





Karan Wahi to Rithvikk Dhanjani: Never imagined we'd sit and play chess

Television actor Karan Wahi has reflected on his relationship with actor Rithvikk Dhanjani and cheekily shared his take on how their equation has evolved over the years from acting, acting, anchoring to now playing chess, something he never imagined.

Karan posted a series of photos on Instagram of himself sitting in an outdoor area with Rithvikk, playing chess with all seriousness.

For the caption, he wrote: "Life main Saath main Bahut kuch kiya...Acting kari,Anchoring kari aur off camera bhar bhar ke baketi kari Par never Did i think ki we will sit and play a game of Chess. Kya he Din Aagaye prabhu."

However, he credited "adulthood" for the change as he wrote: "Khair, Is this what they call Growing UP@rithvikk_dhanjani Seriousness Dekh lo GRAND Masters ki."

Karan rose to fame after getting cast in the lead role of Ranveer Sisodia in the show Remix. He then became every girls' crush with his portrayal as Dr. Siddhant Modi in the medical youth show Dill Mill Gayye.

जनसमस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन संघर्ष अराजनैतिक के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन



दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। भारतीय किसान यूनियन संघर्ष (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी नीतू सिंह को तहसील क्षेत्र में हो रही विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत करते हुए एक ज्ञापन सोपा । ज्ञापन के माध्यम से संगठन द्वारा बताया गया कि मोहल्ला आवास विकास में ठेकेदार द्वारा कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इसके अतिरिक्त एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए संगठन ने अवगत कराया कि शीकरी गेट पर ठेकेदार द्वारा डाली गई सड़क अगले ही दिन उखड़ गई, जो निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही एवं गुणवत्ता की कमी को दशार्ता है।

संगठन ने मांग की है कि संबंधित ठेकेदार का लाइसेंस तत्काल निरस्त किया जाए, उसकी सिक्योरिटी जब्त की जाए एवं उसके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाए, जिससे भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही दोबारा न हो। संगठन ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 3 दिवस के भीतर मोहल्ला आवास विकास का कार्य सुचारु रूप से प्रारंभ नहीं किया जाता है, तो भारतीय किसान यूनियन संघर्ष (अराजनैतिक) द्वारा संभल गेट रोड पर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष रजत सिंह सहित संगठन के जिम्मेदार कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिनमें अधिवक्ता संघ जिलाध्यक्ष एड. अम्बर चौहान,जिला कोषाध्यक्ष एड.हिमांशु गुप्ता, जिला प्रभारी एड. अजय सैनी, संगठन मंत्री एड. शेखर यादव,तथा एड. मलिक, एड. योगेंद्र कुमार, एड. पंकज गौतम, दीपक शर्मा,एड. अक्षय कुमार, सुनील यादव, नरेश पाल , रामबाबू , ब्रजवासी , पंकज ,हरिओम , आमिर एवं हाजी राशिद प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

आज डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव पखवाड़े के अंतर्गत चंदौसी विधानसभा 31 के ग्राम अकबरपुर चितौरी में स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की





दैनिक बुलंद मंज़िल

चंदौसी। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को शपथ दिलाई कि हम बाबा साहब के बताए मार्ग , ह्रशिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो पर चलते हुए अन्याय, भेदभाव और शोषण के खिलाफ निरंतर संघर्ष करेंगे तथा अपने समाज को सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लेंगे। बाबा साहब के विचार ही हमारे मार्गदर्शक हैं और उनका सपना एक समतामूलक, न्यायपूर्ण समाज हमारी जिम्मेदारी है।

इस मौके पर विनीत कुमार, मनीष कुमार, वीरपाल सिंह , अजय कश्यप, आदि सहित सैकड़ों आंबेडकरवादी उपस्थित रहे। इसके बाद चंदौसी विधानसभा के ही गांव मौलागढ़ मोजमपुर में बाबा साहेब की जयंती के निर्धारित कार्यक्रम में पहुंच कर बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और जनसभा के माध्यम से पी डी ए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की मजबूती पर जोर दिया। कुमारी ने कहा, बाबा साहेब ने हमें शिक्षित होने और अपने हक के लिए लड़ने का अधिकार दिया है। आज संविधान पर जो खतरा मंडरा रहा है, उससे लड़ने के लिए हमें समाजवादी पार्टी और पी डी ए के हाथों को मजबूत करना होगा। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की नीतियों के साथ एकजुट होकर जीत दर्ज करने का आान किया।जय भीम जय समाजवाद

डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल का शानदार रिजल्ट, 10 वीं में छात्रों ने किया कमाल

15 अप्रैल को घोषित हुए परिणाम में टॉप 3 छात्रों ने 96% से अधिक अंक पाकर बढ़ाया विद्यालय का मान







दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

बाबराला। डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, यारा टाउनशिप, इंदिराधाम, बाबराला के विद्यार्थियों ने कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। 15 अप्रैल को घोषित हुए परीक्षा परिणाम में छात्रों ने शानदार सफलता प्राप्त की, जिसमें 31 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए। विद्यालय के टॉप 10 विद्यार्थियों ने 95% और अधिक प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और क्षेत्र में विद्यालय की प्रतिष्ठा को और ऊँचा किया। टॉप 10 छात्र-छात्राओं के नाम प्रतिशत आयुषी वार्ष्णेय 99.0, अक्षिता सक्सेना 98.4, दिशिता वार्ष्णेय 97.4,अक्षश वार्ष्णेय 96.8, आदित्य कुमार गुप्ता 96.4, कृष्णा वार्ष्णेय 96.4, सिद्धार्थ कुमार यादव 96.2, आरव प्रताप सिंह 95.4,पूर्वी गर्ग 95.4, दिव्याम वार्ष्णेय 95.2 विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद स्वरूप सारस्वत ने छात्रों की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। हमें अपने विद्यार्थियों पर गर्व है। वहीं विद्यालय प्रबंधन के अध्यक्ष श्री एम. एस. प्रसाद ने भी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नैतिक मूल्यों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय प्रशासन के अनुसार इस वर्ष कुल 68 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 31 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है और सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गई हैं। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

शिक्षक कालीचरण यादव की सेवानिवृत्ति पर उच्च प्राथमिक विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित



दैनिक बुलंद मंज़िल

बिसौली: मिजार्पुर बेहटा शिक्षा की अलख जगाने वाले और छात्रों के भविष्य को गढ़ने वाले शिक्षक कभी सेवामुक्त नहीं होते, बल्कि वे समाज के लिए और भी बड़े मार्गदर्शक बन जाते हैं। ऐसा ही नजारा उच्च प्राथमिक विद्यालय मिजार्पुर बेहटा में देखने को मिला, जहाँ सेवानिवृत्त शिक्षक श्री कालीचरण यादव के सम्मान में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की मुख्य आयोजक विद्यालय की इ०प्रा० अध्यापिका डॉ. नीरज शर्मा ने कालीचरण यादव को स्मृति चिह्न और उपहार भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने यादव जी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुशासन और समर्पण से विद्यालय ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं समारोह में विद्यालय के शिक्षक विवेक मिश्रा, अरुण मिश्रा और कुलदीपभान उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अन्य विद्यालयों से पधारीं शिक्षिकाएं श्रीमती अलका यादव, राजरानी, माहेश्वरी और श्रीमती रामबेटी ने भी श्री यादव के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

ब्राह्मणों से अभद्रता के विरोध में ब्राह्मण शक्ति संघ के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को सौपा एक ज्ञापन

आगरा की घटना से ब्राह्मणों मे आक्रोश सभी उपद्रवियों को शीघ्र से शीघ्र किया जाये गिरफ्तार



दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। जनपद केचन्दौसी नगर में आगरा के परशुराम चौक पर हुई अभद्रता के विरोध में ब्राह्मण शक्ति संघ के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन सोपा । ब्राह्मण शक्ति संघ के सैकड़ो कार्यकर्ता एकत्रित होकर तहसील पहुंचे वहां पर आगरा प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए उसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सोपा ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से आगरा में परशुराम चौक पर भीम आर्मी व एक वर्ग विशेष के द्वारा परशुराम चौक पर की गई। अभद्रता और उत्पात का कड़े शब्दों में विरोध दर्ज कराया भगवान परशुराम चौक पर उपद्रव करने वाले इन सभी उपद्रवियों को शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तार किया जाए व उन पर कठोर से कठोर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया जाए। सभी उपद्रवियों पर बुलडोजर कार्रवाई की जाए। ब्राह्मण शक्ति संघ के संरक्षक बनवारी लाल पाठक ने कहा की ब्राह्मण समाज का आए दिन किसी न किसी रूप में अपमान होता रहता। इस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। विकास मिश्रा ने कहा कि सवर्ण आयोग का गठन होना चाहिए। मुकेश गौड ने कार्यवाही न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी । संगठन के अध्यक्ष विवेक मिश्रा ने कहा की कठोर से कठोर कार्यवाही नहीं होती है तो उत्तर प्रदेश के प्रत्येक शहर व कस्बे में ब्राह्मण शक्ति संघ के सदस्य व पदाधिकारी आंदोलन करेंगे।आंदोलन बहुत उग्र होगा अब ब्राह्मण समाज का अपमान किसी भी हालत में नहीं सहा जाएगा। ज्ञापन देते समय बनवारी लाल पाठक, मुकेश गौड़,विवेक मिश्रा, विवेक शर्मा गुमथल, सचिन मिश्रा ,सचिन शर्मा, राजेश शर्मा, अमोल शर्मा,बृजेश शर्मा,विनीत शर्मा ,अविरल शर्मा ,निशांत शर्मा,पराग शर्मा, विकास मिश्रा,योगेश भारद्वाज, अवनीश शर्मा, ओम शर्मा, राहुल मिश्रा एड, राहुल शर्मा,वैश्व मिश्रा,हर्ष उपाध्याय,विभोर भारद्वाज, एड पिंटेश शर्मा आदि बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे ।

जनपद न्यायालय मे समरसता दिवस के रूप में डॉ भीमराव रामजी अम्बेडकर की जयंती का हुआ आयोजन



दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। जनपद न्यायालय स्तिथ स्व. अजीत सिंह एडवोकेट सभागार में अधिवक्ता परिषद ब्रज इकाई जनपद सम्भल द्वारा समरसता दिवस के रूप में डॉ भीमराव रामजी अम्बेडकर की जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता व डॉ अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करन सिंह प्रधानाचार्य सरदार सिंह इण्टर कॉलेज नरौली उपस्थित रहे। कार्यक्रम अध्यक्षता गोपाल शर्मा द्वारा की गई तथा कार्यक्रम का संचालन विकास मिश्रा द्वारा किया गया मुख्य अतिथि ने समरसता दिवस पर विचार रखते हुए कहा डॉ अम्बेडकर ने विपरीत परिस्थितियों में समाज के अन्य वर्ग के सहयोग से उच्च शिक्षा प्राप्त की और अपने साथ एक ऐसा समाज खड़ा किया जो अशिक्षित और रूढ़ियों से बन्धा हुआ था, जिन्होंने पाकिस्तान के निर्माण पर जिन्ना के उच्च पद का प्रस्ताव को ठुकरा दिया, उनकी यह दूरदर्शिता थी। जिस समाज के मसीहा के रूप में वे आज पूजे जा रहे हैं, उस समाज के लिए उन्होंने एक ऐसी चिर व्यवस्था स्थापित कर दी कि देश मे कोई भी सरकार आये, उस व्यवस्था को समाप्त नहीं कर सकती। डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर जी की जयंती पर नमन है ऐसे महापुरुषों को नमन है जिन्होंने एक होनहार बालक को शिक्षित करने प्रयास किया एवं उनके जीवन के अंतिम वर्षो में ब्राह्मण समाज से आने वाली उनकी दूसरी पत्नी सविता कबीर ने बाबासाहेब को शारीरिक एवं आत्मिक संबल प्रदान किया। बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके गुरु महादेव अम्बेडकर और सयाजी राव गायकवाड़ की भांति होनहार गरीब बच्चों को शिक्षित करने का संकल्प लें। इस अवसर पर हम सबको बाबा साहब द्वारा बताए गए समाजिक समरसता के सिद्धांत का भी अनुकरण करने का संकल्प लेना होगा। अधिवक्ता परिषद के अन्य वक्ताओं ने भी समरसता दिवस पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विनोद सिंह, लोकेंद्र शर्मा, विष्णु शर्मा, अमरीश अग्रवाल, विभोर बंसल, महेश यादव, बिक्रम सिंह चौहान, कृष्णानंद शर्मा, उज्वल चौधरी, विनोद कुमार, बंटी लाल सागर, अशोक कुमार, ब्रजेश शर्मा, संजीव सागर, गौरव कुमार, अविरल गुप्ता, सचिन गुप्ता, चरण सिंह आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि की अर्पित मनाया बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्मोत्सव



दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव पखवाड़े के अंतर्गत चंदौसी विधानसभा 31 के ग्राम अकबरपुर चितौरी में स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को शपथ दिलाई कि हम बाबा साहब के बताए मार्ग ,शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो पर चलते हुए अन्याय, भेदभाव और शोषण के खिलाफ निरंतर संघर्ष करेंगे तथा अपने समाज को सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लेंगे। बाबा साहब के विचार ही हमारे मार्गदर्शक हैं और उनका सपना एक समतामूलक, न्यायपूर्ण समाज हमारी जिम्मेदारी है। इस मौके पर विनीत कुमार, मनीष कुमार, वीरपाल सिंह , अजय कश्यप, आदि सहित सैकड़ों आंबेडकरवादी उपस्थित रहे। इसके बाद चंदौसी विधानसभा के ही गांव मौलागढ़ मोजमपुर में बाबा साहेब की जयंती के निर्धारित कार्यक्रम में पहुंच कर बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और जनसभा के माध्यम से पी डी ए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की मजबूती पर जोर दिया। कुमारी ने कहा, बाबा साहेब ने हमें शिक्षित होने और अपने हक के लिए लड़ने का अधिकार दिया है। आज संविधान पर जो खतरा मंडरा रहा है, उससे लड़ने के लिए हमें समाजवादी पार्टी और पी डी ए के हाथों को मजबूत करना होगा। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की नीतियों के साथ एकजुट होकर जीत दर्ज करने का आान किया।

थ्रेसर मशीन की चपेट में आने से किशोर गंभीर रूप से घायल।

ईलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया

दैनिक बुलंद मंज़िल

बीरेंद्र सिंह/सिंहपुसानी। थाना क्षेत्र एचौड़ा कंबोह के गांव घंसुरपुर में गेहूं निकालने के थ्रेसर की चपेट में आने से किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को ईलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। गांव निवासी अशफाक अपने ट्रैक्टर थ्रेसर से गेहूं निकालने का काम कर रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार रात को अशफाक अपने बेटे के साथ गेहूं निकालने को गया था। किशोर हाशिम अपने पिता से खेत से घर जाने को कहकर निकल गया। लेकिन किशोर गांव से वापस आ गया और बिना बताए ट्रैक्टर के नीचे लेट गया और इसी दौरान नींद आ गई। कार्य समाप्त होने के बाद बिना थ्रेसर के नीचे देखे अशफाक जब ट्रैक्टर थ्रेसर को लेकर घर को निकला तो थ्रेसर का पहिया किशोर के ऊपर से उतर गया। चीख पुकार मचने पर जब देखा तो किशोर बुरी तरह जख्मी हो गया। परिजन घायल किशोर को लेकर मुरादाबाद पहुंचे जहां किशोर की हालत नाजुक होने पर मेरठ के लिए रेफर कर दिया।

जमीनी विवाद में हुई मारपीट, महिला घायल

दैनिक बुलंद मंज़िल

बीरेंद्र सिंह/सिंहपुसानी । संभल के नखासा थाना क्षेत्र के भारतल सिरसी गांव में जमीनी विवाद को लेकर एक महिला से मारपीट की गई। आरोप है कि पारिवारिक सदस्यों ने लाठी-डंडों से हमला किया, जिससे महिला का हाथ टूट गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़िता संगीता पत्नी अनूप सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि जमीन के बंटवारे को लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते शंशाक चाहल, अपेंद्र सिंह और राजबाला पत्नी अपेंद्र सिंह ने कथित तौर पर उनके घर में घुसकर मारपीट की। इस हमले में संगीता को गंभीर चोटें आईं।घटना के बाद संगीता को उनके पति अनूप सिंह थाने ले गए। पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां उनका उपचार चल रहा है।पुलिस ने संगीता की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों के अनुसार, परिवार में जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस घटना के बाद गांव में चर्चा का माहौल है।पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोदी के महिला आरक्षण फैसले की तारीफ, फिर मुस्लिम महिलाओं को राजनीति से दूर रहने की नसीहत, गरमाया माहौल

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शाहबुद्दीन रजवी बरेलवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिला आरक्षण बिल में किए जा रहे संशोधन का स्वागत किया है। उन्होंने इसे महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी में आगे लाने की सकारात्मक पहल बताया, लेकिन साथ ही मुस्लिम महिलाओं को मौजूदा सियासत से दूरी बनाए रखने की सलाह भी दी। महिलाओं को बराबरी देने की पहल सराहनीय मौलाना ने कहा कि प्रधानमंत्री आधी आबादी को आरक्षण देकर उन्हें मुख्यधारा में लाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक महिलाएं संसद तक पहुंचें और नेतृत्व में उनकी भागीदारी बढ़े। मौलाना शाहबुद्दीन रजवी ने कहा कि आज की राजनीति पहले जैसी नहीं रही। उन्होंने मौजूदा सियासत को मक्र व फरेब का जाल और दलदल करार देते हुए कहा कि इसमें महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा नहीं मिल सकती। उनके मुताबिक, राजनीतिक माहौल महिलाओं के लिए अनुकूल नहीं है। इस्लामी नजरिए से दी अलग सलाह उन्होंने कहा कि इस्लाम महिलाओं को घर की जीनत मानता है और उनकी सुरक्षा व सम्मान को सर्वोपरि रखता है। इसी आधार पर उन्होंने मुस्लिम महिलाओं को सलाह दी कि वे ऐसी सियासत से दूर रहें, जहां उनकी गरिमा प्रभावित हो सकती है। मौलाना ने कहा कि महिला आरक्षण लागू होने के बाद 33 प्रतिशत सीटों पर महिलाएं चुनाव लड़ सकेंगी और नेतृत्व कर सकेंगी। यह अवसर सभी महिलाओं के लिए खुला रहेगा, लेकिन मुस्लिम महिलाओं को वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए सोच-समझकर कदम उठाने की सलाह दी गई है।